राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 36 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, मंगलवार 09 दिसंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी मानहानि केस में गवाह से हुई जिरह, आज फिर सुनवाई

सुल्तानपुर। राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई। इस दौरान राहुल के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने गवाह राम चंद्र दुबे से जिरह की। कोर्ट शेष बयान दर्ज करने के लिए मंगलवार को फिर सुनवाई करेगी। यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। हनुमानगंज निवासी मिश्रा ने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली है। राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपए के दो मुचलकों पर जमानत दी थी। गत 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया था, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है, जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है। अक्सर हड़ताल और गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यवाही में देरी हो रही है।

किसान बनकर करता था हथियारों की सप्लाई! अलवर पुलिस की 'सर्जिकल स्ट्राइक', अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

अलवर। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन में अलवर पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ एक बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। मालाखेड़ा पुलिस ने एक ऐसे शातिर अंतरराज्यीय तस्कर को दबोचा है, जो किसान बनकर खेतों की रखवाली करने की आड़ में अवैध हथियार सप्लाई कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किया है।एसपी चौधरी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मालाखेड़ा के गांव नांगल टोडियार में एक व्यक्ति खेतों की रखवाली का काम करता है, लेकिन उसका असली काम हरियाणा से हथियार लाकर राजस्थान में सप्लाई करना है। आरोपी की पहचान जाहीद खान (35) पुत्र बशीर खान निवासी फिरोजपुर झिरका हरियाणा के रूप में हुई है। वह नांगल टोडियार में चरण सिंह उर्फ चरनी के बोरिंग पर बनी एक कोठरी में रह रहा था, जिसे उसने अपना ठिकाना बना रखा था।

कांगड़ा की धरती से उठा कुशासन के खिलाफ जनआंदोलन, कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प : डॉ. राजीव बिंदल

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि 4 दिसंबर को धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में विधानसभा के बाहर प्रदेश सरकार के तीन वर्षों के कुशासन के खिलाफ जो ऐतिहासिक और विशाल प्रदर्शन हुआ, उसने कांग्रेस सरकार और पूरी कांग्रेस पार्टी को झकझोर कर रख दिया है। यह प्रदर्शन उस स्वयंभू सरकार के खिलाफ जनाक्रोश का प्रतीक है, जिसके तीन साल पूरी तरह से व्यवस्था पतन के रहे हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि कांगड़ा की पवित्र धरती और धौलाधार की वादियों से हजारों की संख्या में उमड़े नर-नारियों ने एक स्वर में कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है। जिस उत्साह, जोश और दृढ़ संकल्प के साथ जनता प्रदर्शन में शामिल हुई, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आज समाज का हर वर्ग सरकार की जनविरोधी कार्यशैली के खिलाफ मजबूती से खड़ा हो चुका है। कांगड़ा से उठी यह जनआवाज अब पूरे हिमाचल प्रदेश में गूंजेगी।

राशन-कार्ड से लेकर मोबाइल नेटवर्क तक की सुविधाएँ अब सुगमता से उपलब्ध हो रही

नक्सलवाद उन्मूलन में छत्तीसगढ़ ने रचा नया इतिहास: मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजनांदगांव में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष राज्य के इतिहास में निर्णायक मोड़ साबित हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य—31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन—की दिशा में छत्तीसगढ़ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और यह अब अंतिम सांसें गिन रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सुरक्षा बलों ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 500 से अधिक माओवादी मुठभेड़ों में न्यूट्रलाइज हुए, जबकि 4,000 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी दी, जो नक्सलवाद के कमजोर पड़ने का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम से बस्तर में दशकों से जमी हिंसा के विरुद्ध निर्णायक बढ़त मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर को भविष्य के विकास का बड़ा केंद्र बताते हुए कहा कि कृषि, सिंचाई, वन-उत्पाद, पशुपालन और छोटे उद्योगों के लिए अभूतपूर्व संभावनाएँ बन रही हैं। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति (2024ङ्क30) में नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। वनोपज आधारित वैल्यू एडिशन, प्रसंस्करण और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देकर स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्थायी आय से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से बस्तर अब वैश्विक नक्शे पर तेजी से पहचान बना रहा है। कुटुमसर गुफा, झरने, अबूझमाड़ के जंगल और जनजातीय सांस्कृतिक धरोहर विश्व आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। होम-स्टे मॉडल तेजी से फल-फूल रहा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद उन्मूलन की यह ऐतिहासिक प्रगति राज्य के शहीद जवानों, सुरक्षा बलों के अथक परिश्रम और जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप बस्तर नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में शामिल होगा।

उन्होंने राज्य सरकार की नई पुनर्वास नीति की भी विस्तृत जानकारी दी। इसके तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति, 3 वर्षों तक 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण और रोजगार-संबंधी कार्यक्रम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोलीबारी की भाषा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ना अब बस्तर में हकीकत बन रहा है।

गाइडलाइन दरों पर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर (समय दर्शन)। राज्य में 20 नवंबर 2025 से लागू नई गाइडलाइन दरों के संबंध में प्राप्त सुझावों, ज्ञापनों और आपत्तियों पर विचार करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के निर्देश पर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक 07 दिसंबर 2025 को आयोजित की गई। बैठक में पंजीयन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से कई व्यापक निर्णय लिए गए, जो 08 दिसंबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में भूमि मूल्यांकन के लिए लागू इंक्रीमेंटल आधार पर गणना की व्यवस्था समाप्त करने का निर्णय लिया गया। अब पुनः पूर्व प्रचलित स्लैब आधारित प्रणाली ही लागू रहेगी, जिसके अनुसार नगर निगम में 50 डेसिमल, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन किया जाएगा। इससे नगरीय क्षेत्रों में मूल्यांकन की जटिलता कम होगी और नागरिकों को सीधी राहत मिलेगी। बहुमंजिला भवनों में फ्लैट, दुकान अथवा कार्यालय के अंतरण के समय अब मूल्यांकन सुपर बिल्ट-अप एरिया के बजाय बिल्ट-अप एरिया के आधार पर होगा। यह प्रावधान लंबे समय से मांग में था, जिससे वर्टिकल डेवलपमेंट को गति मिलेगी और शहरी भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा।

लैंड फॉर जॉब घोटाला

कोर्ट ने 103 आरोपियों की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए सीबीआई को दिए दो दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब (जमीन के बदले नौकरी) घोटाले से जुड़े बहुचर्चित मामले की सुनवाई सोमवार को हुई। इस दौरान अदालत ने सीबीआई को सभी आरोपियों की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के लिए दो दिन का अतिरिक्त समय दिया। अब अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। यह पूरा मामला लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, सांसद मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव सहित कुल 103 आरोपियों से जुड़ा है। सीबीआई ने अपनी जांच और चार्जशीट में दावा किया है कि रेलवे में नौकरी के बदले बड़ी मात्रा में जमीन ली गई और ज्यादातर लेनदेन कैश में किया गया। एजेंसी का आरोप है कि यह प्रक्रिया योजनाबद्ध भ्रष्टाचार का हिस्सा थी। अदालत ने सीबीआई से कहा था कि कई आरोपी अब जीवित नहीं हैं, इसलिए यह साफ होना जरूरी है कि किस आरोपी की क्या स्थिति है। कौन जीवित है, कौन नहीं, किसकी क्या भूमिका है और किनके खिलाफ आगे कार्रवाई संभव है। इसी जानकारी के लिए कोर्ट ने विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी।

सीबीआई ने अदालत से रिपोर्ट तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए एजेंसी को दो दिनों का समय दिया है। इस मामले में सीबीआई ने चार्जशीट आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी), 468-467 (जालसाजी), 471 (फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल) के तहत दाखिल की है।

इंडिगो संकट पर सुप्रीम कोर्ट का तत्काल दखल देने से इनकार, सीजेआई बोले- सरकार को ही मामला संभालने दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशनल संकट से जूझ रहे लाखों यात्रियों को सुप्रीम कोर्ट से भी फिलहाल कोई फौरी राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने से साफ इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (ष्टछ्वढ्ढ) सूर्यकांत के समक्ष जब इस याचिका को तुरंत सूचीबद्ध करने की मांग की गई, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि अदालत जानती है कि लाखों लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं और हालात खराब हैं, लेकिन सरकार इस मामले को देख रही है, इसलिए उन्हें ही इसे संभालने दिया जाए। याचिकाकर्ता वकील ने दलील दी थी कि करीब 2500 उड़ानें विलंबित हैं और देश के 95 हवाई अड्डे इस अव्यवस्था से प्रभावित हैं, जो सीधे तौर पर नागरिकों के अनुच्छेद 21 के तहत अधिकारों का उल्लंघन है।

बीते 7 दिनों से इंडिगो की उड़ानों का रद्दीकरण और लेटलतीफी बदस्तूर जारी है। सोमवार को भी हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ गए, जब कंपनी ने दिल्ली और बेंगलुरु हवाई अड्डों से 250 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट से कुल 134 उड़ानें (75 जाने वाली और 59 आने वाली) और बेंगलुरु से 127 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालात की गंभीरता को देखते हुए याचिकाकर्ता के वकील ने 6 दिसंबर को सीजेआई सूर्यकांत के घर जाकर भी तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई थी, जिसमें यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था और मुआवजे की मांग

'नेताजी-टैगोर की कद्र नहीं करते...' वंदे मातरम बहस पर सीएम ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा हमला

भगवद्गीता पाठ से अनुपस्थित रहने पर बोलीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली (समय दर्शन)। संसद में वंदे मातरम को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भजपा को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने सवाल किया कि अगर भजपा नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर और राजा राम मोहन राय जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों और विचारकों की सराहना नहीं करती, तो आखिर करती किसकी है?

ममता बनर्जी ने कहा मैंने सुना कि भाजपा के कुछ लोग कह रहे हैं कि वे नेताजी की सराहना नहीं करते। तो बताइए, आप नेताजी, टैगोर और राजाराम मोहन राय को सम्मान नहीं देते, फिर किसे देते हैं? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में हुए भगवद्गीता पाठ कार्यक्रम में न जाने के फैसले पर सफाई देते हुए कहा कि वह इसलिए नहीं गईं क्योंकि यह कार्यक्रम भाजपा से जुड़ा हुआ था। संतनन संस्कृति संसद की ओर से रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में लाखों लोग पहुंचे थे, जिसे 2026 विधानसभा चुनाव से पहले हिंदू पहचान के बड़े प्रदर्शन के तौर पर देखा गया।

एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा अगर कार्यक्रम निष्पक्ष होता, तो मैं जरूर जाती। मैं एक राजनीतिक दल से जुड़ी हूं और एक विचारधारा का पालन करती हूं। मैं हर धर्म और हर समुदाय का सम्मान करती हूं। लेकिन जिस कार्यक्रम से भाजपा सीधे जुड़ी हो, उसमें मैं कैसे जा सकती हूं? उन्होंने कहा मैं ऐसे आयोजनों में शामिल नहीं होती जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अपमान होता हो या महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन न किया जाता हो। मेरे माता-पिता ने मुझे यह शिक्षा नहीं दी है। जो लोग बंगाल का अपमान करते हैं, बंगला-बिरोधी हैं, मैं उनके साथ नहीं हूं। लोकसभा में वंदे मातरम पर चल रही बहस के दौरान कांग्रेस उपनेता गौरव गोगोई ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा।

संसद में वंदे मातरम पर चर्चा

एनडीए ने इतिहास की गलतियां गिनाईं, विपक्ष के तीखे किए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का आठवे राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर संसद में विस्तार से चर्चा हो रही है। इस गीत के ऐतिहासिक महत्व पर लोकसभा में होने वाली चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। पीएम मोदी ने वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर अपना वक्तव्य रखा और नेहरू, जिन्ना से लेकर कई ऐतिहासिक किरदारों पर बात की। चर्चा में भाग लेने वाले विपक्षी खेमे के सांसदों ने सरकार से तीखे सवाल पूछे।

आंध्र प्रदेश के सांसद टी उदय श्रीनिवास ने महिलाओं के योगदान को याद किया

वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान आंध्र प्रदेश के सांसद टी उदय श्रीनिवास (जन सेना पार्टी) ने आजादी के आंदोलन में महिलाओं के योगदान को याद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और एकजुटता पर खुशी का इजहार करते हुए कहा कि युवाओं और नागरिकों का साहस दिखाता है कि कोई भी दबाव उनकी भारतीय पहचान से बड़ा नहीं हो सकता है।

बिहार के सांसद पप्पू यादव ने पूछा तीखा सवाल

जनसेना पार्टी के सांसद के बाद महाराष्ट्र से निर्वाचित शिवसेना सांसद धैर्यशील संभाजीराव माणे (हातकणंगले लोकसभा सीट) और बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्वाचित निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने भी इस चर्चा में भाग लिया। पप्पू यादव ने कहा कि वंदे मातरम की रचना के 150 साल के बाद आज हम इस पर चर्चा कर रहे हैं, ये इनका संस्कार दिखाता है।

उन्होंने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर देश के विकास के लिए काम करने का आह्वान किया।

बिहार की शिवहर लोकसभा सीट से निर्वाचित महिला सांसद लवली आनंद ने भी वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक पार्टी- जनता दल यूनाइटेड (छ्वष्ठ) का पक्ष रखते गुए आनंद ने वंदे मातरम से जुड़े इतिहास का जिक्र करते हुए देश की मजबूत जीडीपी की तरफ ध्यान खींचा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 तक देश को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है। हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। भारत दुनिया में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

वंदे मातरम पर लोकसभा में हो रही चर्चा के दौरान उत्तर प्रदेश की कैराना लोकसभा सीट से निर्वाचित महिला सांसद ने कहा कि ये मौका है जब हम अपने भीतर झांके, ये आत्ममंथन की घड़ी है। उन्होंने कहा कि ये केवल अतीत की ललकार नहीं वर्तमान की जिम्मेदारी है। वंदे मातरम को केवल नारा नहीं, नीति और जिम्मेदारी बनाना होगा।

भाजपा सांसद बांसुरी के बाद केरल की मल्लपुरम लोकसभा सीट से निर्वाचित ढ्ढरूरू सांसद ईटी मोहम्मद बशीर और पंजाब की आनंदपुर साहिब लोकसभा सीट से निर्वाचित आम आदमी पार्टी (क्क) के सांसद मानविंदर सिंह कांग ने भी इस चर्चा में भाग लिया।

पुडुचेरी में आज होगी टीवीके पार्टी की जनसभा, 5,000 लोगों को ही मिलेगा प्रवेश

पुडुचेरी। तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय के नेतृत्व में मंगलवार सुबह 10ः30 बजे पुडुचेरी के उप्पलम में एक विशेष सार्वजनिक सभा आयोजित होने वाली है। पार्टी मुख्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार, इस सभा में केवल पुडुचेरी राज्य के 5,000 लोगों को ही प्रवेश मिलेगा, जिन्हें क्यूआर कोड वाले पास प्राप्त होंगे। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि तमिलनाडु के लोग (जिनमें पुडुचेरी से सटे जिले शामिल हैं) सभा में शामिल नहीं हो पाएंगे। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे इस निर्णय पर पूर्ण सहयोग करें। पार्टी मुख्यालय के निर्देश में कहा गया है कि टीवीके अध्यक्ष विजय हमेशा अपने समर्थकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। इसलिए सभा के दौरान सभी उपस्थित लोग दिए गए नियमों का कड़ाई से पालन करें।

गर्भवती महिलाएं, शिशु, माताएं, वरिष्ठ नागरिक, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले लोग, स्कूल के बच्चे और दिव्यांगजन सभा में शामिल नहीं हो सकते। उन्हें घर से ही कार्यक्रम का लाइव अनुभव लेने का आग्रह किया गया है।

दिल्ली एनसीआर में दमघोंटू हवा : दिसंबर की शुरुआत से एक्यूआई 'बेहद गंभीर'

अस्पतालों में बढ़ रही मरीजों की संख्या

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार खतरे के निशान से ऊपर बनी हुई है। दिसंबर की पहली तारीख से लेकर अब तक हवा की गुणवत्ता अति गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है। राजधानी दिल्ली के ज्यादातर मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 320 से 370 के बीच रिकॉर्ड हुआ है, वहीं नोएडा और गाजियाबाद के कई क्षेत्रों में भी हालात बेहद खराब बने हुए हैं। जहरीली हवा के कारण अस्पतालों में सांस से जुड़ी बीमारियों, दमा, एलर्जी और आंखों में जलन की शिकायतों वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिल्ली की स्थिति—लगभग हर जगह 'लाल' दिखाई दे रही है। दिल्ली के प्रमुख एक्यूआई स्टेशनों से मिले आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं। जिनमें आनंद विहार - 354, अशोक विहार - 337, बवाना - 367, बुराड़ी क्रॉसिंग -327, चांदनी चौक - 321, सीआरआरआई, मथुरा रोड - 301, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज - 330, डीटीयू 343, द्वारका सेक्टर-8 -

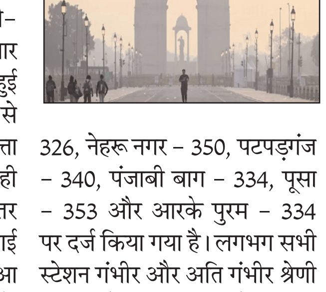

326, नेहरू नगर - 350, पटपड़गंज - 340, पंजाबी बाग - 334, पूसा - 353 और आरके पुरम - 334 पर दर्ज किया गया है। लगभग सभी स्टेशन गंभीर और अति गंभीर श्रेणी में मेंटेन हैं, जिससे साफ है कि हवा में प्रदूषक कणों की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। गाजियाबाद में भी हालात खराब हैं। इंदिरापुरम में 283, लोनी - 382, संजय नगर - 329 और वसुंधरा में एक्यूआई - 307 दर्ज किया गया है। लोनी में गुणवत्ता सबसे खराब दर्ज की गई है, जहां एक्यूआई 380 के पार है। नोएडा में भी 1 दिसंबर से लेकर 7 दिसंबर तक पीएम 2.5 के स्तर लगातार 'लाल' श्रेणी में रहे। जिनमें 1 दिसंबर - 321, 2 दिसंबर - 393, 3 दिसंबर -365, 4 दिसंबर - 308, 5 दिसंबर - 339, 6 दिसंबर - 344 और 7 दिसंबर को एक्यूआई - 317 दर्ज किया गया है। नोएडा में

बिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर द्वारा सिरपुर शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन

जांजगीर (समय दर्शन)। बिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक-07/12/2025 को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत, प्राचीन स्थापत्य कला एवं बौद्धकालीन संस्कृति से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना, साथ ही विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान, सांस्कृतिक समझ और ऐतिहासिक धरोहरों से अवगत करना था। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। विद्यालय प्रशासन द्वारा प्रत्येक वर्ष विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण, औद्योगिक भ्रमण और सांस्कृतिक यात्राओं का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थी पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक अनुभवों से भी सीख सकें। सर्वप्रथम भ्रमण के लिए निर्धारित तिथि पर प्रात:कालीन समय से ही विद्यालय परिसर में छात्रों की चहल-पहल देखने को मिली। कक्षा-6वीं से कक्षा-12वीं तक के लगभग दो सौ विद्यार्थी अपने शिक्षकों के साथ विद्यालय पहुँच चुके थे। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी द्वारा यात्रा के महत्व को समझाते हुए विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान, अनुशासन, समूह में कार्य और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की सीख दी गई। प्राचार्या ने सुरक्षा के सभी निर्देश समझाते हुए विद्यार्थियों को यात्रा का आनंद लेने तथा प्रत्येक स्थल पर शैक्षणिक जिज्ञासा के साथ जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी बसों को विधिवत, प्राचार्या एवं संस्था संचालक महोदय द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बसों के रवाना होते ही विद्यार्थियों में उत्साह, उल्लास और जिज्ञासा का मिश्रण साफ देखा जा सकता था। यात्रा के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सिरपुर क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व, मंदिरों की स्थापत्य कला, बौद्ध विहार की संरचना और वहां की सांस्कृतिक विशिष्टताओं से परिचित कराया। शैक्षणिक भ्रमण का पहला पड़ाव लक्ष्मणेश्वर मंदिर रहा, जो अपनी प्राचीन और उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए जाना जाता है। मंदिर परिसर पहुँचते ही विद्यार्थियों के चेहरों पर इतिहास को देखने की जिज्ञासा और उमंग साफदिखाई दे रही थी। शिक्षकगण ने मंदिर की उत्पत्ति, इससे जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों, स्थानीय मान्यताओं और पुरातत्व विभाग की भूमिका पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। विद्यार्थियों को बताया गया कि यह मंदिर कला, संस्कृति और छत्तीसगढ़ की प्राचीन स्थापत्य विरासत का अद्भुत उदाहरण है। मंदिर की दीवारों पर उकेरी गई उत्कृष्ट नक्काशी, पत्थरों पर की गई शिल्पकला और संरचना की अनोखी बनावट ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

एसएमएस लिमिटेड और सूद फाउंडेशन द्वारा 150 कंबलों का रात में वितरण

दुर्ग (समय दर्शन)। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत एसएमएमएस लिमिटेड द्वारा सूद फाउंडेशन भिलाई के सहयोग से देर रात 10:30 बजे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सरकारी अस्पताल एवं सड़क किनारे पैदल मार्गों पर जरूरतमंदों को कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा गतिविधि में कुल 150 कंबलों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का आदर्श वाक्य रहा कंबल सुकून का अर्थात शांति और आराम प्रदान करने वाला कंबल। टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल परिसर और सड़क किनारे रहने वाले जरूरतमंद लोगों के बीच जाकर कंबल वितरित किए। सभी सदस्यों ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना संस्था का निरंतर संकल्प है।यह सेवा कार्य संस्थाओं द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कार्यक्रम में एसएमएमएस लिमिटेड एवं सूद फाउंडेशन की संयुक्त टीम मौजूद रही। प्रमुख रूप से उपस्थित सदस्यों में डी. विश्वनाथन परियोजना प्रबंधक,आसिफ मजावर मानव संसाधन प्रबंधक एसएमएमएस, महेश जायसवाल, दीक्षा नागदेवे सोनू सूद फाउंडेशन टीम,विकास जायसवाल, आशीर्वाद ब्लड बैंक, अन्य बीएमआई ग्रुप सदस्य, भिलाई-दुर्ग उपस्थित थे।

जिले में 31 दिसम्बर 2025 तक चलेगा सघन कुष्ठ खोज अभियान

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में 08 से 31 दिसम्बर 2025 तक सघन कुष्ठ खोज अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में कुष्ठ रोग के उन्मूलन के उद्देश्य से समुदाय में कुष्ठ रोग के संक्रमण को रोकने हेतु प्रत्येक रोगियों का प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर उपचार से लाभान्वित करना है। इस संबंध में कलेक्टर श्री महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक लेकर स्वास्थ्य विभाग एवं सर्वे टीम घर-घर जाकर सदस्यों की जांच एवं जनजागरूकता प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उमेश कुमार मरकाम ने बताया कि सर्वेक्षण कार्य - प्रतिदिन ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 घरों में तथा शहरी क्षेत्रों में 20 से 25 घरों में, संधारण प्रपत्र-1, घर की बाहरी दीवार पर गेरु से टिक का निशान लगाया जाएगा एवं एल/दिनांक लिखा जाएगा। संकास्पद कुष्ठ मरीजो का सत्यापन-कुष्ठ संदेहास्पद मरीज हेतु ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष/एन.एम.ए. द्वारा जांच कर कुष्ठ की पुष्टि कर पुन: मेडिकल ऑफिसर से पुष्टि कराया जाना है। पीबी/एमबी पुष्टि कर एमडीटी की दवा से पूर्ण उपचार सुनिश्चित होगा। धनात्मक कुष्ठ रोगियों की निकुस्ठ 2.0 पोर्टल में एंट्री। नये कुष्ठ मरीजो का पुष्टि - पास के सी.एच.सी./पी.एच.सी. में चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया जावेगा। मॉनिटरिंग टीम एन.एम.ए., स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, आर.एच.ओ., एम.टी. -10 प्रतिशत घरों का औचक निरीक्षण प्रतिदिन किया जावेगा प्रतिवेदन फार्म (प्रपत्र-3) खण्ड चिकित्सा अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्टिंग डाटा प्रबंधक, आर.एच.ओ., एम.टी., पी.ए.डी.ए. -अपने कार्यक्षेत्र की सभी मितानिन से चिन्हांकित संभावित रोगियों की सूची संलग्न प्रपत्र-2 में दर्ज कर संबंधित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में जमा करें। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र - सूची की कम्प्यूटर प्रविष्टि प्रारूप अनुसार की जावेगी।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री उत्कर्ष तिवारी ने राज्य स्तर पर 03 दिसम्बर 2025 को जिला कुष्ठ अधिकारी व टीम, 04 दिसम्बर 2025 को बी.एम.ओ., बी.पी.एम., बी.ई.टी.ओ. एन.एम.ए. को 05 दिसम्बर 2025 को जिले के सभी ब्लॉक मे स्वास्थ्य अमला एवं मितानिन बी.सी., एम.टी., 06 दिसम्बर 2025 को सभी उप स्वास्थ्य केन्द्र सर्वे टीम महिला 1 एवं पुरूष 1 को प्रशिक्षण दिया गया। ब्लॉक - अकलतरा 212, बलौदा 195, बम्हनीडीह 254, नवागढ़ 295, पामगढ़ 201 एवं जांजगीर शहरी में 43, कुल -1200 सर्वे टीम (1 महिला एवं पुरूष) सघन कुष्ठ खोज अभियान एल.सी.डी.सी. में घर-घर जाकर कुष्ठ संभावित व्यक्तियों का सर्वेक्षण किये जाने की जानकारी दी। एन.एम.ए. श्री के.के. थवाईत ने बताया कि शासन का लक्ष्य प्रति 10 हजार की आबादी में 1 या 1 से कम नए कुष्ठ रोगी पाये जाने का लक्ष्य हैं।

चाइल्ड लाइन 1098 एवं पाण्डुका पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

गरियाबंद (समय दर्शन)। दूरभाष के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय के निर्देश पर तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी के मार्गदर्शन में चाइल्ड लाइन 1098 गरियाबंद की टीम ने पाण्डुका पुलिस के सहयोग से एक बाल विवाह को रोकने की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड पाण्डुका के अंतर्गत ग्राम पंचायत घटकर्रा में 7 दिसम्बर 2025 को एक नाबालिग बालिका की सगाई करने की तैयारी की सूचना चाइल्ड लाइन 1098 को दूरभाष से प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही चाइल्ड लाइन गरियाबंद से परियोजना समन्वयक श्याम सुंदर नायक,केस वर्कर राज सिदार तथा पाण्डुका पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुँची।टीम द्वारा बालिका एवं परिजनों से विस्तृत पूछताछ की गई तथा आयु सत्यापन के लिए उपलब्ध दस्तावेजों की जाँच की गई।बालिका द्वारा प्रस्तुत कक्षा 8वीं की मार्कशीट के आधार पर उसकी आयु 15 वर्ष 5 माह 10 दिन पाई गई।निर्धारित 7 दिसम्बर 2025 को उसकी सगाई आयोजित की जानी थी,जो स्पष्ट रूप से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 का उल्लंघन है।इस अधिनियम के प्रावधानानुसार विवाह के लिए बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालक की न्यूनतम आयु 21 वर्ष अनिवार्य है। अधिनियम का उल्लंघन करते हुए नाबालिग बालक-बालिका का विवाह करने,कराने अथवा सहयोग करने वाले सभी व्यक्ति दंड के भागीदार होते है। जिनके लिए 2 वर्ष तक का कठोर कारावास,1 लाख रुपये तक का जुर्माना,अथवा दोनों का प्रावधान है। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड लाइन टीम द्वारा बालिका,उसके माता-पिता परिवारजनों सहित उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों,कानूनी प्रावधानों तथा इसके शिक्षा,स्वास्थ्य,पोषण और भविष्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी देकर समझाइश दी गई।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत 47.79 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा अनुमोदित निर्धारित लागत दर अनुसार जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत अधोसंरचना निर्माण कार्य के लिए 47.79 लाख रूपए की अनुशंसा प्राप्त हुई है। अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग पाटन द्वारा प्रेषित तकनीकी स्वीकृति के आधार पर अनुशंसित कार्य को संपादित कराए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाटन को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यो की संपादन कार्यकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत होगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बीके दुबे से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखण्ड पाटन के ग्राम सांतरा में मुक्तिधाम सह प्रतिक्षालय शेड निर्माण हेतु 4.79 लाख रूपए, ग्राम डिडगा के वार्ड न. 10 में तथा जामगांव एम सतनाम भवन से मुख्य मार्ग की ओर सीसी रोड निर्माण हेतु 2.60-2.60 लाख रूपए तथा ग्राम सोनपुर में चिंता साहू के घर से सनत कुम्भकार के घर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 7.80 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

भोजन व्यवस्था सहित चिकित्सकीय सुविधाओं का लिया जायजा

अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

महासमुन्द(समय दर्शन)। अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी महासमुंद द्वारा आज बेमचा स्थित जिला जेल महासमुंद का निरीक्षण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महासमुंद, (छ0ग0) की सचिव श्रीमती आफरीन बानो द्वारा अपने विज्ञप्ति में बताया कि माननीय छ0ग0 उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका क्रमांक डब्लू.पी.पी.आई.एल 11/2013 में पारित आदेश दिनांक 15.12.2021 में प्रदत्त आदेशानुसार एवं छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में बेमचा स्थित जिला जेल में अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी के पदाधिकारों द्वारा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती अनिता डहरिया, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महासमुंद सुश्री चेतना ठाकुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिभा पाण्डेय द्वारा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश के पालन में बंदियो को दी जाने वाली विधिक सहायता, जेल में स्थापित व्हीसी कक्ष, बैरकों की व्यवस्था, जेल बिल्डिंग की व्यवस्था, नए बैरको का निर्माण, मुलाकात कक्ष, जेल विस्तारीकरण हेतु जमीन हस्तांतरण, बंदियों को प्रदत्त सुविधा, टायलेट की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, बंदियों के कपड़ो की दशा, पेयजल की व्यवस्था के साथ-साथ बंदियों को दी जा रही प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था आदि का भी जायजा लिया। अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी द्वारा बंदियों से प्रत्यक्ष रूप से जेल में उनके रहन-सहन, दिए जाने वाली औपचारिक सुविधा तथा न्यायालय में लंबित उनके प्रकरण तथा उनके अधिवक्ता तथा उनके समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई तथा नवनिर्मित अतिरिक्त बैरको का भी जायजा लिया गया। कमेटी के निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री अक्षा गुप्ता, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रियदर्शन गोस्वामी एवं आदित्य जैन, तहसीलदार जुगल किशोर, जेल चिकित्सा अधिकारी महेन्द्र चैधरी, थाना प्रथारी महासमुंद शरद दुबे सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

श्रीमद् भावगत कथा यज्ञ सप्ताह हेतु पदुमतरा में कार्यक्रम स्थल हुआ भूमिपूजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पदुमतरा में नए वर्ष में होने वाले श्रीमद् भागवत कथा के लिए आयोजन समिति ने भूमिपूजन किया। पुजारी राजा दुबे ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन कार्य संपन्न कराये। आगामी 1 जनवरी को मां बगलामुखी यज्ञ एवं 2 जनवरी से 8 जनवरी तक कथा का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक हर्षिता स्वामी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि महाराज जी की कथा सुनने दूर-दूर से श्रोता उपस्थित रहेंगे, सभी को तैयारी में जुट जाने की अपील की।

पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल ने कहा की यह पदुमतरा ही नहीं पूरे क्षेत्र के लिए गर्व व सौभाग्य का विषय की राष्ट्रीय कथावाचक आचार्य रामानुज युवराज पाण्डेय जी का श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है, जिन्हें सुनने लोग उत्साहित है, ललित चांदतारे, क्षेत्रीय जनपद जनपद सदस्य ललिता मोहन साहू, सरपंच हिना घनश्याम साहू ने अपने विचार रखे।

श्री राम मंदिर समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने बताया कि विभिन्न गांव के लोगों को श्रीमद् भागवत कथा में आमंत्रण दिया जा रहा है। कथा हेतु श्री राम मंदिर ट्रस्ट समिति, महिला मंडल भागवत समिति समस्त ग्रामवासी व क्षेत्रवासी लगे हुए है।

इस दौरान भूमि पूजन में मुख्य रूप से विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल, श्रीराम मंदिर समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, क्षेत्रीय जनपद सदस्य ललिता मोहन साहू, सरपंच हिना घनश्याम साहू, महरूम सरपंच अजीत महिपाल, देवसरण वर्मा, ग्राम पटेल खुमान बंजारे, देवनारायण साहू, मणि महिलांग, फ्लीस साहू, मोहन साहू, घनश्याम साहू, कालू साहू, रवि ठाकुर, पवन महोबिया, चंद्रकांत साहू, उत्तम साहू, खेलन साहू, हरिकिशन सेन, देवसरण साहू, शिवा साहू, सोनू साहू, उमाशंकर यादव, राकेश गौतम, कुमारी साहू, जमुना साहू, निर्मला साहू, देवकुंवर साहू, दुमेश्वरी साहू, हेमकुमारी साहू, किरण साहू, सुनीता रजक, दया बाई साहू सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जिले में अब तक कुल 1,81,264 मीट्रिक टन धान की खरीदी

कुल 172 प्रकरणों में 26,047 क्विंटल धान जप्त

महासमुन्द(समय दर्शन)। राज्य सरकार के मंशानुरूप महासमुंद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा और सुचारूता के साथ निरंतर जारी है। आज धान खरीदी का 17वां दिन है। जिले के 182 धान उपार्जन केंद्रों में आज दिनांक तक कुल 1,81,264 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। जिसमें मोटा धान 1,51,965 टन, पतला 12.2 टन तथा सरना 29,286.9 टन धान खरीदी की गई हैं। किसान समर्थन मूल्य पर धान का उचित दाम मिलने से उत्साहित है तथा खरीदी व्यवस्था से संतुष्ट हैं। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन, सहकारिता, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिला स्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। केंद्रों में किसानों की सुविधा हेतु स्वच्छता, बैठने की व्यवस्था, प्राथमिक उपचार, तौल उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित की गई है। सभी उपार्जन केंद्रों में केंद्रीय मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन खरीदी का आंकड़ा ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण तुलाई, उचित व्यवस्था तथा किसानों को सुचारू सेवा सुनिश्चित की जा रही है। समितियों में धान की गिरदावरी (फसल पंजीयन) मिलान एवं सत्यापन का कार्य भी जारी है, ताकि अवैध विक्रय पर रोक लग सके। निगरानी दलों को 24म7 सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई किया जा सके। राइस मिलों को मिलिंग क्षमता के अनुसार धान उठाव, भंडारण और सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। भुगतान प्रक्रिया को तेजी से निपटाने के लिए बैंक व सहकारी समितियाँ समन्वय कर रही हैं। खरीदी केंद्रों से धान उठाव की प्रक्रिया भी जारी है।

कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शिता से चलाने हेतु अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अब तक अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं विक्रय से जुड़े 154 प्रकरण दर्ज किए गए। 18 राइस मिलों का भौतिक सत्यापन कर प्रकरण दर्ज किया गया है। कुल 172 प्रकरणों से संयुक्त टीम राजस्व, मंडी, सहकारिता एवं पुलिस विभाग द्वारा 26047.84 क्विंटल धान जप्त किया गया है।

जमीन की बढ़ी गाइडलाइन के विरोध में सातवें दिन उग्र प्रदर्शन, विशाल बाइक रैली के बाद कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जमीन की बढ़ी गाइडलाइन दरों को वापस लेने की मांग को लेकर शहर में विरोध का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले एक सप्ताह से जयस्तंभ चौक पर चल रहे धरना-प्रदर्शन में आज एक बार फिर बड़ी संख्या में लोग जुटे। प्रदर्शनकारियों ने बढ़ी गाइडलाइन के खिलाफजोरदार नारेबाजी करते हुए सरकार से दरें वापस लेने की मांग दोहराई। इधर, विरोध को गति देते हुए आज तहसील कार्यालय से विशाल बाइक रैली निकाली गई। रैली इमाम चौक, गुरुद्वारा चौक, मानव मंदिर चौक होते हुए दुर्गा चौक, बसंतपुर थाना, सदर बाजार मार्ग से गंज चौक पहुंचकर समाप्त हुई। पूरे रास्ते प्रदर्शनकारी अपने बैनर-पोस्टरों और नारों के साथ गाइडलाइन वृद्धि पर कड़ा एतराज जताते रहे। रैली के समापन के बाद प्रतिनिधिमंडल कलेक्टोरेट पहुंचा, जहां कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर गाइडलाइन वृद्धि वापस लेने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त-खबर

पारदर्शी और सहज प्रक्रिया से किसानों को मिल रहा मेहनत का सही मूल्य

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में जिले के सहकारी समितियों के धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी का कार्य सुचारू, व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित हो रहा है। किसानों की सुविधा हेतु शासन द्वारा किए गए प्रबंधन के सुधारों का सकारात्मक प्रभाव सीधे किसानों तक पहुँचा है। धान उपार्जन केंद्र सिवनी में शुक्रवार को किसान श्री सतीश कुमार मिश्रा ने अपने 188.80 क्विंटल धान का विक्रय किया। खरीदी प्रक्रिया के हर चरण से गुजरने के बाद उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार की व्यवस्था ने सचमुच किसानों को बहुत बड़ी राहत दी है।

किसान श्री मिश्रा बताते हैं कि इस वर्ष धान बेचना पहले की तुलना में आसान हो गया है। नमी परीक्षण, तौल, टोकन सत्यापन और स्टाफका सहयोगी व्यवहार इन सबने प्रक्रिया को सहज और तनावमुक्त बना दिया। केंद्र में साफ-सफाई, शेड, पेयजल और बैठने की अच्छी सुविधाएँ है। उन्होंने बताया कि इस बार बारदाना समय पर मिल रहा है, तुलाई बिना देरी के हो रही है और पूरा माहौल किसान-हितैषी है। पहले धान बेचने के दौरान लंबी लाइनें, अव्यवस्था और समय की बर्बादी आम समस्या थी, लेकिन इस वर्ष तुहंर टोकन मोबाइल ऐप ने पूरी व्यवस्था बदल दी है। श्री मिश्रा ने बताया कि उन्हें न भीड़ का सामना करना पड़ा और न इंतजार करना पड़ा-घर बैठे कुछ ही मिनटों में ऑनलाइन टोकन मिल गया, जिससे धान बेचने में कोई दिक्कत नहीं आई। यह तकनीक किसानों के समय और ऊर्जा दोनों की बचत कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हुए सुधारों का प्रत्यक्ष लाभ किसानों को मिला है। खरीदी की पारदर्शिता और तेज प्रक्रिया ने किसानों के भरोसे को मजबूत किया है। श्री मिश्रा ने संतोष जताते हुए कहा, हमारी सालभर की मेहनत का सही मूल्य मिला है, धान अब बिना किसी परेशानी के बिक रहा है।

खैरझिटी कला में हुआ नवभारत साक्षरता मिशन परीक्षा

साजा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला एवं संकुल केंद्र खैरझिटीकला में नवसाक्षरों का परीक्षा लिया गया। जिसमें सभी प्रशिक्षार्थियों ने स्वयं से उत्साहित होकर परीक्षा केंद्र में आए और परीक्षा में भाग लिया। कुल 16 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में बैठे। द एक ही घर के देवरानी जेठानी भी परीक्षा में शामिल हुए ।के पर्यवेक्षक देवचरण साहू एवं दुर्गेश कुमार श्रीवास सहायक शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। स्वयंसेवी गौरी पटेल, तुलसी राजपूत ,सीमा पटेल, लक्ष्मी पटेल उपस्थित रहे। यह सभी स्वयं सेवी शिक्षक-शिक्षिकाएं कक्षा 12वीं की छात्र-छात्राएं है।

उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन परीक्षा में मुख्य रूप से संकुल समन्वयक के ताम्रकार, प्रधान पाठक राम कुमार वैष्णव परीक्षा केंद्राध्यक्ष अगम दास मारकंडे ,देवचरण साहू, दुर्गेश कुमार श्रीवास और ग्राम के शिक्षक कुलेश्वर पटेल उपस्थित रहे ।

छुईखदान में 40 गांव के लोगों के विरोध के बावजूद जनसुनवाई दुर्भाग्यजनक, जांच समिति करेगी जांच : उत्तम जायसवाल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। खैरागढ़ जिले में श्री सीमेंट लिमिटेड की प्रस्तावित संडी चूना पत्थर खदान परियोजना के खिलाफ40 गांव के लोगों के विरोध को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल का कहना है कि विगत दिनों मामले में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का घायल होने के बावजूद सरकार द्वारा 11 दिसंबर को जनसुनवाई की अनुमति देना दुर्भाग्यजनक है। जब प्रभावित गांवों ने पहले ही सामूहिक रूप से परियोजना का विरोध जता दिया है, तो जनसुनवाई कराने का कोई औचित्य नहीं रह जाता और जानकारी मिली है कि क्षेत्र में कंपनी के एजेंट गांव वालों से फर्जी तरीके से समर्थन में हस्ताक्षर करवा रहे हैं, जिसका लोगों ने विरोध किया है। सरकार सिर्फ उद्योगपतियों को फायदा पहुँचाने में लगी है। आम जनता की मांगों को सरकार अनदेखी कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच हेतु आम आदमी पार्टी की ओर से 10 सदस्य जांच समिति समिति गठित की गई है, जो सैंबंधित 40 गांव के लोगों से मिलकर उनकी मांगों और विरोध की धरातल पर जांच करेगी।

आम आदमी पार्टी कि ओर से प्रदेश सचिव पवन चंद्रवंशी के नेतृत्व में संजीत विश्वकर्मा, देवेंद्र सिंह भाटिया, भूपेश तिवारी, मनोज गुप्ता, राजेंद्र सोनी, चित्रा गुरुदेव, अजय सिंह ठाकुर, श्याम मूर्ति नायडू और कमलेश स्वर्णकार को जांच समिति के सदस्य बनाया गया है।

उत्तम जायसवाल का कहना है कि यह परियोजना जलस्त्रोतों, बोरवेल रिचार्ज, कृषि उत्पादन और पशुपालन के लिए गंभीर खतरा पैदा करेगी। साथ ही खेती, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका को भी गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। आम आदमी पार्टी ने इस मामले में चेतावनी दी है कि यदि प्रस्तावित जनसुनवाई को रद्द नहीं किया जाता है तो पार्टी समस्त ग्रामीणों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल

शिक्षा ही सामाजिक विकास का मूलमंत्र : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। सामाजिक विकास का वास्तविक आधार शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र — हर क्षेत्र में सफलता का पहला कदम शिक्षा ही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंच पर सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रारंभ से ही शिक्षा के स्तर को उन्नत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य गठन के समय जहाँ मात्र एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में आईआईटी, ट्रिपल-आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स, सिपेट जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना से स्थानीय युवाओं को बड़े अवसर प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि समाज को मजबूत और संगठित होना समय की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज ही राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मूलमंत्र — सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास — का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार राज्य सरकार 23 महीनों से सभी वर्गों के हित में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हाल के महीनों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिसमें अन्नदाताओं के लिए कृषक उन्नति योजना, प्रत्येक परिवार को पक्का मकान देने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना, माताओं और बहनों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महतारी वंदन योजना, दूरस्थ अंचलों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु शिक्षक युक्तियुक्तकरण जैसे कदम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अब तक विभिन्न विभागों में 10 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं पूर्ण निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई हैं, जिससे युवाओं में नया विश्वास उत्पन्न हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने नई उद्योग नीति लागू की है, जिससे स्थानीय लोगों को अधिक अवसर, रोज़गार और स्वरोजगार प्राप्त हो सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज के लोगों से आग्रह किया कि वे अधिकाधिक संख्या में शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ।

कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री ध्रुव कुमार मिर्धा ने भी संबोधित किया और नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

इस अवसर पर सर्व रविदास समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय मेहरा, रायपुर संभाग आयुक्त श्री महादेव कांवरे, श्री दिलीप वासनीकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शिशु मंदिर के मेधावी युवाओं ने भरी प्रशासनिक सेवा की उड़ान, शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने दिया आशीर्वाद

रायपुर। प्रदेश के विभिन्न शिशु मंदिर विद्यालयों में अध्ययन कर वर्ष 2025 में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों ने आज शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव से उनके रायपुर स्थित शासकीय निवास में सौजन्य भेंट की। मंत्री श्री यादव ने सभी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा प्रशासनिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु प्रेरित किया।

नवा रायपुर स्थित आवास में आयोजित इस मुलाकात के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिशु मंदिर संस्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ संस्कार, राष्ट्रप्रेम और अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफलता ही नहीं दिलाती, बल्कि उन्हें भविष्य में सशक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाने योग्य भी बनाती है।

मंत्री श्री यादव ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध कराने निरंतर प्रयासरत है। प्रशासनिक सेवाओं में युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल वृद्धि के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहलें कर रही है। कार्यक्रम में विद्या भारती प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. देव नारायण साहू एवं विद्या भारती क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों वरिष्ठ पदाधिकारियों ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए राष्ट्रहित में सेवाभाव से कार्य करने का आग्रह किया।

तापमान में गिरावट होने से मेकाहारा सहित अस्पतालों में मरीजों की संख्या में हुई वृद्धि

रायपुर। तापमान में गिरावट दर्ज होते ही राजधानीवासी ही अत्याधिक ठंड पड़ने से सर्दी बुखार, मलेरिया, वायरल फीवर आदि की चपेट में आ रहे है। मेकाहारा जिला अस्पताल एम्स सहित राजधानी के निजी चिकित्सा संस्थानों में सर्दी खासी बुखार टाइफाइड मलेरिया आदि के मरीज बड़ी संख्या में इलाज के लिए पहुंच रहे है। रायपुर जिला चिकित्सालय के सीएमओ डॉ. मिथलेश चौधरी ने राजधानीवासियों से ठंड में बचने के लिए गर्म कपड़ों के साथ ही बाहर निकलने की सलाह दी है। साथ ही मलेरिया से बचने के लिए मच्छरदानी की प्रयोग की अपील की है।

राष्ट्र की सुरक्षा में निरंतर तैनात हमारे सैन्य जवानों का योगदान अतुलनीय : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के सचिव ब्रिगेडियर विवेक शर्मा ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के प्रतीक स्वरूप सम्मान बैज लगाया तथा संचालनालय सैनिक कल्याण द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे वीर सैनिकों और उनके परिवारों के त्याग, साहस और राष्ट्रसमर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। देश की सुरक्षा में निरंतर तैनात हमारे जवानों का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने आगे कहा कि इस दिवस का संदेश है कि राष्ट्र की रक्षा में लगे हमारे जवानों और शहीद परिवारों के प्रति हम सभी अपनी जिम्मेदारी समझें और उनके कल्याण हेतु सहयोग की भावना से आगे आएं।

मुख्यमंत्री ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण हेतु अपनी ओर से अंशदान भी प्रदान किया। इस अवसर पर सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते तथा पद्मश्री उषा बारले भी उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से कुंभकार समाज के प्रतिनिधि मंडल की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को आगामी जनवरी 2025 में रायपुर जिले के ग्राम नवागांव (कोलियारी) में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय महाधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए समाज के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का धन्यवाद किया तथा आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि कुंभकार समाज की पारंपरिक कला, श्रमशीलता और सांस्कृतिक योगदान छत्तीसगढ़ की सामाजिक संरचना को समृद्ध बनाते हैं। राज्य सरकार सभी समाजों के विकास और सहभागिता के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधि मंडल में समाज के सलाहकार श्री रतन लाल चक्रधारी, श्री बी.पी. चक्रधर, प्रदेश अध्यक्ष श्री नंद कुमार चक्रधारी, महामंत्री श्री हेमलाल कौशिक, कोषाध्यक्ष श्री जयप्रकाश कुंभकार, श्री दौवा राम चक्रधारी सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में हुए शामिल राज्यपाल

वीर सैनिकों के कारण ही हमारे जीवन और संपत्ति सुरक्षित है - राज्यपाल श्री डेका

रायपुर। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में गौरवपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि सैनिक नि:स्वार्थ भाव से हमेशा देश की रक्षा के लिए तैयार रहते है और अपना जीवन देश सेवा के लिए लगाते है। उनके कारण ही हमारे जीवन और संपत्ति सुरक्षित हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने सशस्त्र झण्डा दिवस निधि के लिए 2 लाख रूपए की सहयोग राशि राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड को प्रदान की।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने सभी शहीदों की वीर नारियों एवं माताओं, आश्रितों को सम्मान राशि और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। वीरता अलंकरण प्राप्त सैनिकों और झण्डा दिवस के अवसर पर विशेष योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया। राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन के दौरान इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि झण्डा दिवस निधि से लगभग 27 महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है, जिनके माध्यम से पूर्व सैनिकों और उनके आश्रित परिवारों को निरंतर सहायता मिल रही है। छत्तीसगढ़ सैनिक कल्याण बोर्ड और गृह विभाग के सहयोग से हमारे वेटरन्स की उत्कृष्ट देखभाग सुनिश्चित की जा रही है।

श्री डेका ने कहा कि हमारे सैनिक कठिन परिस्थितियों में अपना कार्य संपादित करते हैं। माइनस डिग्री के तापमान में भी अपनी जिम्मेदारी कुशलता से निभाते है। उन्होंने शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को नमन किया और कहा कि आप लोगों का त्याग अमूल्य है। लोकभवन और छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ा हैं। सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध है। समारोह की शुरूआत में शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि दी गई। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का प्रतीक बैज लगाकर श्री डेका को सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार शर्मा ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के संदेश का वाचन किया। राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ब्रिगेडियर श्री विवेक शर्मा ने झण्डा दिवस निधि के महत्व पर एवं इस निधि से भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में सबसे ज्यादा राशि एकत्रित करने के लिए कलेक्टर रायपुर श्री गौरव कुमार सिंह एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रायपुर कैप्टन श्री अनिल कुमार शर्मा को प्रथम पुरस्कार एवं कलेक्टर दुर्ग श्री अभिजीत सिंह एवं सैनिक कल्याण अधिकारी दुर्ग को द्वितीय पुरूस्कार एवं राज्यपाल ट्राफी प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के ब्रोशर संक्षेपिका-2025 का भी विमोचन किया गया। एन.सी.सी. कैडेटों ने ओजपूर्ण देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, पुलिस महानिदेशक श्री अरूण देव गौतम, विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) श्री संजय शर्मा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, सेवारत् तथा भूतपूर्व सैनिक एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री रामकथा पोस्टर एवं कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच, जामुल के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने आगामी श्री रामकथा कार्यक्रम हेतु तैयार किए गए पोस्टर एवं कैलेंडर का विधिवत विमोचन किया।

प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि श्री रामकथा का आयोजन 28 दिसंबर 2025 से 06 जनवरी 2026 तक दुर्ग जिले के जामुल नगर में किया जाएगा। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को इस पावन आयोजन में सादर आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच, जामुल के सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया एवं आयोजन की सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर मंच के संरक्षक दिलेश्वर उमरे, संयोजक ईश्वर उपाध्याय, तथा जागेश्वर मल सोनी, उमेश निर्मलकर, नेत राम साहू, जितेंद्र साहू, श्री इंद्रजीत उपाध्याय, श्री वैभव उपाध्याय सहित मंच के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से हल्बा-हल्बी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ हल्बा-हल्बी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य भेंट की।

प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि समाज की ओर से 27 दिसंबर 2025 को दुर्ग के पुलगांव में सामाजिक सम्मेलन एवं शक्ति दिवस समारोह, तथा 20 जनवरी 2026 को रायपुर में क्रांतिकारी अमर शहीद गेंद सिंह जी के 201वीं शहादत दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों में सादर आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए हल्बा-हल्बी समाज के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और समाज के सांस्कृतिक गौरव एवं प्रेरणादायी इतिहास की सराहना की। उन्होंने दोनों आयोजनों की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर श्री महेश गागड़ा, डॉ. देवेंद्र महला, श्री गिरिवर ठाकुर, श्री हृदय राम कोसमा, श्री मिथीर राम सलेंद्र सहित समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा शहीद वीर नारायण सिंह शहादत स्थल पर अनवरत ज्योति प्रज्जवलित करेगा 10 को

रायपुर। 1857 में शहीद वीर नारायण सिंह जो छग के पहले शहीद को 10 दिसंबर को रायपुर के जयस्तंभ चौक में अंग्रेजों ने फांसी दी थी। वीर नारायण सिंह की स्मृति में छग संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा अनवरत ज्योति प्रज्जवलित पदाधिकारी अध्यक्ष छग समाज पार्टी अनिल दुबे जागेश्वर प्रसाद इंजीनियर जीपी चंद्राकर, दीनदयाल वर्मा सहित हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में की जाएगी। यह ज्योत अनंतकाल तक जयस्तंभ चौक में जलेगी। ज्योति बूझने न पाये इसकी जिम्मेदारी पार्टी कार्यकर्ता को दी गई है। दोपहर 12 बजे आयोजित उक्त कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय पंडवानी कलाकार चेतन देवांगन द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह की गाथा को लयबद्ध ढंग से संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। शहीद वीर नारायण सिंह का छग के प्रति स्वतंत्रता आंदोलन में दिये गये योगदान को रेखांकित करने के लिए डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र एवं केके अग्रवाल द्वारा जानकारी दी जाएगी।

हेलो महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ : नया ट्रेंडसेटर एक्सयूवी700 की विरासत को आगे बढ़ाने को तैयार

मुंबई: भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी अगली बड़ी पेशकश—एक्सयूवी 7एक्सओ —के नाम की घोषणा की। एक्सयूवी700 की विरासत पर बनी, जिसने सिर्फ चार वर्षों में 300,000 से अधिक गर्वित मालिकों के साथ भारत में एसयूवी सेगमेंट में क्रांति ला दी थी, एक्सयूवी 7एक्सओ उन सभी चीजों को ऊपर उठाती है जिसने एक्सयूवी700 को गेमचेंजर बनाया था। प्रेरित करने के लिए तैयार की गई और रोमांच पैदा करने के लिए इंजीनियर की गई, यह एक्सयूवी700 की सिद्ध खूबियों को बेहतरीन डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस के साथ जोड़ती है—एक ऐसी एसयूवी प्रदान करती है जो न केवल विकसित हुई है, बल्कि वास्तव में असाधारण है। प्रीमियम एसयूवी स्पेस में महिंद्रा के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन की गई, एक्सयूवी 7एक्सओ कल की एसयूवी के लिए एक बार फिर से राह दिखाने के लिए तैयार है।

जी.ई. रोड पर बहुप्रतीक्षित गुरू तेगबहादुर उद्यान से तेलीबांधा में नेताजी सुभाष चौक से गुरूनानक चौक तक फ्लाईओवर के लिए 173 करोड़ मंजूर

रायपुर। उप मुख्यमंत्री, लोक निर्माण तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव की पहल पर राजधानी रायपुर के यातायात को व्यवस्थित करने तथा रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक सुगम यातायात के लिए शहर के बीच कई फ्लाईओवर्स की कार्ययोजना को धरातल पर उतारा जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री साव के अनुमोदन के बाद लोक निर्माण विभाग ने आज जी.ई. रोड पर बहुप्रतीक्षित गुरू तेगबहादुर उद्यान से तेलीबांधा में नेताजी सुभाष चौक से गुरूनानक चौक तक फ्लाईओवर के लिए 173 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है। इसके निर्माण से गुरू तेगबहादुर उद्यान से नेताजी सुभाष चौक से गुरूनानक चौक तक जी.ई. रोड पर शहर का यातायात सुगम हो जाएगा। इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी। रायपुर शहर के यातायात को व्यवस्थित करने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस फ्लाईओवर के निर्माण को शामिल किया गया था। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे इस फोरलेन (16.61 मीटर चौड़ा) फ्लाईओवर के निर्माण से शंकर नगर चौक, केनाल रोड क्रासिंग व गुरूनानक चौक में यातायात की समस्या से निजात मिलेगी। इस फ्लाईओवर से नगर घड़ी चौक से यातायात सीधे तेलीबांधा थाने तक पहुंच जाएगी तथा नगर घड़ी चौक का ट्रैफिक तेलीबांधा चौक से पहले बांयी ओर मुड़कर अटल एक्सप्रेस-वे से सीधे एयरपोर्ट तक पहुंच जाएगा।

संपादकीय

एसआईआर प्रक्रिया से असंतुष्ट

हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया है, मगर उसके रुख से नहीं लगता कि वह एसआईआर प्रक्रिया से असंतुष्ट है। लेकिन यह कहानी का सिर्फ एक पक्ष है। इसका दूसरा पक्ष राजनीतिक दायरे में घट रहा है। सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणियां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बल प्रदान करने वाले हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने दो टूक कहा है कि निर्वाचन आयोग को एसआईआर कराने का वैधानिक एवं संवैधानिक अधिकार है। अत: उसने फिलहाल 12 राज्यों में चल रही इस प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट की खंडपीठ ने एसआईआर के खिलाफ दलील दे रहे वकीलों से पूछा कि क्या किसी विदेशी नागरिक ने आधार कार्ड बनवा लिया हो, तो उसे वोट डालने का हक भी मिल जाना चाहिए? एक मौके पर बेंच ने यह भी कहा कि बिहार में एसआईआर के सिलसिले में ऐसी कोई मिसाल सामने नहीं आई कि लोगों के नाम जानबूझ कर मतदाता सूची से हटाए गए हों। हालांकि कई राज्यों की याचिका पर न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया है, मगर उसके रुख से नहीं लगता कि वह इस प्रक्रिया से असंतुष्ट है। लेकिन यह कहानी का एक पक्ष है। इसका दूसरा पक्ष राजनीतिक दायरे में घट रहा है। तमाम विपक्षी पार्टियां इस प्रक्रिया के पीछे की मंशा, इस पर अमल के तरीके और इस दौरान कुछ समुदाय विशेष के लोगों के नाम काट जाने का इल्जाम रोजमर्रा के स्तर पर जोरशोर से लगा रही हैं। बूथ लेवल ऑफिसरों पर बढ़े काम के दबाव, उनमें से कुछ की कथित आत्महत्या या मौतों, कुछ के नौकरी से इस्तीफा देने आदि जैसी घटनाएं व्यापक से चर्चित हुई हैं। इन मामलों से यह प्रक्रिया और अधिक विवादास्पद हो गई है। परिणाम यह हो रहा है कि चुनाव से संबंधित प्रक्रियाओं और इनका संचालन करने वाली संस्था एवं प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अविश्वास की खाई और चौड़ी हो रही है। इसका दूरगामी असर होगा। इससे एक ऐसा मत-विभाजन पैदा हो रहा है, जिसकी वजह से भविष्य में हर चुनाव की पृष्ठभूमि संदिग्ध बनी रहेगी। हैरतअंगेज है कि निर्वाचन आयोग ने इसे और इसके संभावित नतीजों को समझने या उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाने की तनिक भी जरूरत महसूस नहीं की है। संभवत: न्यायपालिका भी इसे विशुद्ध कानूनी और संवैधानिक नजरिए से देख रही है, जबकि इसके एक बड़ा पक्ष राजनीतिक है।

पीएमजीएसवाई से बदला विकास का भूगोल एमसीबी जिले में

पहाड़ों, वनाच्छादित और दूरस्थ भौगोलिक स्थितियों के कारण लंबे समय तक संपर्कहीनता की समस्या से जूझता रहा एमसीबी जिला। कई गांव ऐसे थे जहां पहुंचना मौसम के भरोसे होता था। बरसात में सड़कें कट जाती थीं, लोग घरों में कैद हो जाते थे और रोगी, छात्र, किसान सभी कठिनाइयों का सामना करते थे।

ग्रामीण जीवन की धड़कन बनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना - पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने इस जिले का भूगोल ही बदल दिया। आज मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अधिकांश गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं और जहां कार्य शेष है, वहां निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। यहां सड़कों का जाल सिर्फ कंक्रीट या डामर का ढांचा नहीं है बल्कि यह गांवों की नई किस्मत है, ग्रामीण जीवन की धड़कन है और विकास की असली आधार है।

पहाड़ी रास्तों से पक्की सड़क तक -एक परिवर्तन की कहानी- एमसीबी जिले की ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों, दुरूह घाटियों और गहरे जंगलों में बसे गांव वर्षों तक मुख्यधारा से दूर रहे। गांवों तक पहुँचने के लिए कभी पगडंडी, कभी नदी का उफान और कभी पहाड़ी रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। पीएमजीएसवाई के तहत जब सड़कों का सर्वेक्षण शुरू हुआ, तो ग्रामीणों के बीच उम्मीद की एक नई किरण जागी। आज वही गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। अब छोटे वाहनों से लेकर एम्बुलेंस और कृषि वाहन तक आराम से पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में भी आवागमन बाधित नहीं होता। स्कूल, अस्पताल, बाजार और तहसील सबकी दूरी कम हो गई है। यह बदलाव सिर्फ यात्रा में समय घटने का नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ने का है।

किसानों की बढ़ी आर्थिक रफ्तार -बाजार हुआ पास- पहले किसान खेतों से उपज को बैलगाड़ी या अपने सिर पर उठाकर ले जाते थे। कई बार फसल मंडी तक पहुंचते-पहुंचते खराब भी हो जाती थी। नई सड़कों का प्रभाव कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी रहा, जिसमें ट्रैक्टर, पिकअप, मिनी ट्रक अब गांव तक पहुंच रहे हैं। धान, कोदो-कुटकी, मक्का, सब्जियां और लघु वनोपज आसानी से मंडी पहुंच रही हैं। परिवहन लागत कम होने से अब किसानों की बचत बढ़ी है। खरीदी समय पर होने से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि हुई है। आज किसान गर्व से कहते हैं कि सड़क आई, तो बाजार भी हमारे गांव आ गया।

स्वास्थ्य सेवाओं में हुआ बड़ा सुधार - अब इलाज भी हो रहा समय पर- पहले बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक लाने में कई घंटे लग जाते थे। पहले एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती थी। पर अब स्थिति बदल चुकी है और 108 एम्बुलेंस सीधे घर तक पहुंच रही है, गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित हुआ, टीकाकरण, पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी आई, गंभीर मरीजों को समय पर जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सड़क निर्माण से अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट की पहुँच आसान और सुविधाजनक हो गया है।

शिक्षा के दरवाजे खुले-ड्रॉपआउट में आया कमी- हले दूरस्थ गांवों के बच्चे बारिश में स्कूल नहीं जा पाते थे। कई बच्चे पहाड़ी रास्तों से डरकर पढ़ाई छोड़ देते थे। अब स्कूल वैन, बसें और ऑटो आसानी से पहुंचते हैं, अध्यापक समय पर स्कूल जा पा रहे हैं। छात्र उच्च शिक्षा के लिए कस्बों और शहरों तक आसानी से आ-जा रहे हैं, जिससे ड्रॉपआउट में कमी आया है ।

नया रोजगार और नई उम्मीदें- पीएमजीएसवाई निर्माण ने हजारों ग्रामीणों को रोजगार दिया। सड़क बनने से स्थानीय व्यवसाय, किराना, ढाबा, गैराज आदि, अब खुले परिवहन सेवाओं में वृद्धि हुई, जिससे निर्माण सामग्री की सप्लाई में स्थानीय लोगों को लाभ मिला ।

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं। शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है। यह प्रवृत्ति केवल बाज़ार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है। आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को फैशनेबल बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक ज़हर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। सड़क

दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते पर भेजने जैसा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं। यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है। ऐसे में सादे, सरल और सामान्य पैकेजिंग की दिशा में कदम बढ़ाना आवश्यक है, ताकि शराब किसी लक्ज़री उत्पाद की तरह न दिखे, बल्कि उसका स्वरूप ही लोगों को चेतावनी देने वाला बने।

यह भी चिंताजनक है कि शराब उद्योग का उद्देश्य केवल बिक्री बढ़ाना है, भले ही उससे समाज कितना भी प्रभावित क्यों न हो। वे यह नहीं देखते कि शराब कितने घर बर्बाद कर रही है, कितने लोग बीमार हो रहे हैं और कितनी जिंदगियां संकट में हैं। इस मानसिकता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बेहद आवश्यक है। शराब की ग्लैमरस पैकेजिंग पर रोक लगाने से न केवल उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण वातावरण भी बनेगा। सरकारों के लिये राजस्व का बड़ा जरिया शराब है, इसलिये सरकारें भी शराब के खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी को केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार, समाज और परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। शराब किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और उसे आकर्षक बनाकर बेचना मानव जीवन के मूल्य को कम करना है। आज आवश्यकता है कि शराब की पैकेजिंग को नियंत्रित किया जाए, उसे सामान्य और गैर-आकर्षक बनाया जाए, स्पष्ट चेतावनियां लिखी जाएं और शराब को समाज में सम्मानजनक स्थान देने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगे। सरकार को भी स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शराब उद्योग की विपणन चालों को सीमित करें। आज शराब का प्रसार केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विघटन का बड़ा कारण बनता जा रहा है। शराब से जुड़े अपराधों और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है, विशेषकर महिलाओं के प्रति अत्याचार, घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और मानसिक प्रताड़ना का बड़ा कारक शराब ही बन रही है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफहोने वाली लगभग आधी हिंसक घटनाओं में शराब प्रमुख भूमिका निभाती है। नशे में धुत्त पुरुष अक्सर पारिवारिक तनाव, गुस्से और असंतुलन के कारण महिलाओं पर अत्याचार कर बैठते हैं, जिससे न केवल उनका आत्मसम्मान टूटता है बल्कि पूरा परिवार भय, असुरक्षा और अपमान के वातावरण में जीने को मजबूर हो जाता है। शराब का यह प्रभाव किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण से शहरी, गरीब से सम्पन्न वर्ग तक फैल चुका है और इसे अनदेखा करना अब समाज के लिए संभव नहीं। चिंता का विषय यह भी है कि शराब अब केवल बार या नाइट क्लबों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक अवसरों-शादियों, जन्मदिनों, दफ्तर की पार्टियों, त्योहारों, यहां तक कि छोटे सामाजिक समारोहों में भी परोसी जाने लगी है। शराब को सामाजिकता का हिस्सा और आधुनिकता का प्रतीक बताकर जिस तरह से उसकी पैठ बढ़ाई जा रही है, वह एक खतरनाक सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। परिवारों में युवा पीढ़ी अपने बड़ों को शराब का उपभोग करते हुए देखकर इसे सामान्य मानने लगी है, जिससे किशोर अवस्था में ही शराब सेवन की शुरुआत हो जाती है। स्कूल-कॉलेज के छात्र फैशन, दबाव, दोस्तों की नकल और विज्ञापन जैसी पैकेजिंग के प्रभाव में आकर शराब की लत में डूब रहे हैं। यह पीढ़ी मानसिक एवं शारीरिक दोनों स्तर पर कमजोर होती जा रही है। शराब न केवल उनकी पढ़ाई, कैरियर एवं सोचने-समझने की क्षमता को नष्ट करती है, बल्कि भविष्य के परिवार एवं समाज की नींव तक को हिला देती है। इन बढ़ती चिन्ताओं का समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक पुनर्संयम और परिवारों में जिम्मेदार व्यवहार से ही संभव है। समाज तभी सुरक्षित हो सकता है जब हम शराब को आकर्षण का नहीं, विनाश का प्रतीक मानें। उसकी पैकेजिंग में चमक-दमक नहीं, चेतावनी झलके। उसका सेवन आधुनिकता नहीं, दुर्बलता समझा जाए। यह चेतना तभी बढ़ेगी जब कानून भी कठोर होंगे और समाज भी सजग। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी इसी दिशा में एक गंभीर कदम है, अब सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि इसे वास्तविक सुधार में बदला जाए।

बेहतर एचडीआई के बावजूद स्वास्थ्य चुनौतियां

प्रो. सतपाल

हिमाचल प्रदेश भारत के उन चुनिंदा राज्यों में है, जहां मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) का स्तर अपेक्षाकृत बेहतर है। मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट 2025 के अनुसार हिमाचल प्रदेश का एचडीआई 0.78 दर्ज किया गया है, जो राष्ट्रीय औसत 0.63 से काफी अधिक है। राज्य के गठन के बाद से ही शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकार का विशेष ध्यान रहा है, जिसका परिणाम यह है कि हाल ही में प्रदेश ने पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। स्वास्थ्य संकेतकों की दृष्टि से भी हिमाचल की स्थिति राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में संस्थागत प्रसव 91 प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं, वहीं पूर्ण टीकाकरण की दर 80 प्रतिशत से अधिक है। मातृ मृत्यु दर लगभग 45 प्रति 1 लाख जीवित जन्म है तथा शिशु मृत्यु दर 23 प्रति 1000 जीवित जन्म है, जो अभाव राष्ट्रीय औसत (27) की तुलना में बेहतर है। बीते दस वर्षों में शिशु मृत्यु दर में लगभग 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। जीवन प्रत्याशा दर 73.6 वर्ष है, जो राष्ट्रीय औसत 69.9 वर्ष से काफी अधिक है। इस प्रकार स्पष्ट है कि राज्य मानव विकास और स्वास्थ्य संकेतकों में निरंतर उन्नति कर रहा है तथा राष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में अपेक्षित समय से पहले ही महत्वपूर्ण प्रगति कर चुका है। हालांकि जब इन उपलब्धियों की तुलना विकसित देशों से की जाती है, तो अभी भी काफी अंतर दिखाई देता है। स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यापक पहुंच के बावजूद गुणवत्ता और समानता की चुनौतियां सामने बनी हुई हैं। यहां स्वास्थ्य अवसंरचना के कागजी आंकड़े व्यापक अवश्य दिखते हैं, लेकिन सुविधाओं का अभाव इन आंकड़ों के औचित्य को कम करता है। आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में लगभग 600 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 2150 उप-स्वास्थ्य केंद्र, लगभग 140 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 94 उपमंडल स्तरीय सिविल अस्पताल स्थापित हैं। इसके अतिरिक्त बिलासपुर में एम्स तथा शिमला, कांगड़ा, मंडी, सिरमौर, चंबा और हमीरपुर में राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि सोलन में एक निजी मेडिकल कॉलेज भी मौजूद है। एक एम्स, छह सरकारी मेडिकल कॉलेज और एक निजी मेडिकल कॉलेज प्रदेश में नए चिकित्सक व विशेषज्ञों के अलावा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लगभग 3000 स्वास्थ्य इकाइयां प्रदेश के 55673 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले लगभग 80 लाख लोगों को सेवाएं प्रदान करने हेतु पर्याप्त प्रतीत होती हैं। आंकड़ों के हिसाब से यहां लगभग 2500 व्यक्तियों के पीछे एक स्वास्थ्य इकाई मौजूद है, हालांकि प्रति व्यक्ति के हिसाब से यह आंकड़ा न के बराबर है। फिर भी सभी व्यक्ति बीमार हैं, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। इस दृष्टि से यह दर ठीक ही है, परंतु चिंता का विषय यह है कि इन इकाइयों में आधारभूत सुविधाओं तथा मानव संसाधन की कमी के कारण यह क्षमता प्रभावी रूप से उपयोग में नहीं आ पाती। कैग रिपोर्ट 2024 के अनुसार प्रदेश के लगभग 450 उप-स्वास्थ्य केंद्र और 80 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अपने भवन तक से वंचित हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में मानव संसाधनों की कुल कमी लगभग 40 प्रतिशत आंकी गई है, जो अत्यंत गंभीर स्थिति को दर्शाती है। स्टाफ तथा आवश्यक उपकरणों के अभाव के कारण अनेक स्वास्थ्य सेवाएं आम जनता को उपलब्ध ही नहीं हो पातीं। यह भी सच्चाई है कि मानव संसाधन की कमी राज्य के स्वास्थ्य तंत्र की प्रमुख समस्या है। विशेषज्ञ डॉक्टर और नर्सें प्राय: शहरी क्षेत्रों में ही कार्य करना पसंद करते हैं, जबकि ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थान वर्षों तक रिक्त रहते हैं। अनेक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर या तो नियुक्त ही नहीं होते या फिर केवल नाममात्र की उपस्थिति रहती है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर व्यय की बात करें तो प्रदेश अपने सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 1.70 प्रतिशत और कुल व्यय का लगभग 6 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करता है, जो सुदृढ़ स्वास्थ्य तंत्र हेतु अपर्याप्त माना जा सकता है। प्रदेश की दुर्गम भौगोलिक स्थितियां स्वास्थ्य सेवाओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती हैं। सर्दियों में बर्फबारी के दौरान दूरदराज क्षेत्रों से मरीजों को समय पर अस्पताल तक लाना अत्यंत कठिन हो जाता है। कई बार सामान्य प्रसव भी जटिल परिस्थितियों का रूप ले लेता है। रिपोर्टों के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 10 प्रतिशत मरीज समय पर चिकित्सा सुविधा न मिलने के कारण गंभीर अवस्था में पहुंच जाते हैं। विकसित देशों ने ऐसे पहाड़ी क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस, मोबाइल क्लीनिक और डिजिटल हेल्थ सेवाओं के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान किया है। हिमाचल प्रदेश में भी ऐसे प्रयास किए गए हैं, परंतु उनका विस्तार अभी बहुत सीमित है। प्रदेश में रोगों के स्वरूप में भी समय के साथ महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल रहा है। पूर्व में संक्रामक रोग बड़ी चुनौती थे, किंतु अब मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और कैंसर जैसे गैर-संक्रामक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य स्तर पर नियमित स्क्रीनिंग और परामर्श की समुचित व्यवस्था न होने से इन रोगों के परिणाम अधिक गंभीर हो रहे हैं। हृदय रोग से होने वाली अचानक मृत्यु के मामले बढ़ रहे हैं, वहीं कैंसर के बढ़ते मामलों ने भी नीतिकारों के समक्ष चिंतन का विषय प्रस्तुत कर दिया है।

एक राष्ट्रीय संकल्प: संपूर्ण सरकार और समाज साझा रूप से बाल विवाह मुक्त भारत की ओर अग्रसर

अन्नपूर्णा देवी

एक ऐसे देश में जहाँ महिलाएँ और बच्चे एक अरब से ज़्यादा जीवनों का आधार हैं, उनका सशक्तिकरण महज़ एक नीतिगत विकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत की नियति का मार्ग है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी शासन में, भारत एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, जो वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को मानव-केंद्रित प्रगति के साथ जोड़ रहा है। नए भारत की कहानी केवल आर्थिक उपलब्धियों और बढ़ते वैश्विक कद में ही नहीं, बल्कि उन कक्षाओं में भी आकार ले रही है, जहाँ युवा मन विकसित होते हैं, उन आंगनवाड़ी केंद्रों में जहाँ हमारे बच्चों का पालन-पोषण होता है, और उन घरों में जहाँ आकांक्षाएँ पनपती हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति बन गई है, जो विकसित भारतञ्च2047 के लिए हमारे सामूहिक मिशन को भी आगे बढ़ा रही है। इसी सफर में एक अहम पड़ाव पिछले वर्ष 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान शुरू हुआ है।

अपनी साहसिक और अटल दृष्टि के साथ, हमने वर्ष 2030 तक बाल विवाह को खत्म करने की अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक बार फिर दोहराई है, ताकि हर बालिका और बालक सुरक्षित रूप से बड़े हो सकें, अपनी शिक्षा जारी रख सकें और गर्व तथा आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को आकार दे सकें। शुरू से ही, हमने संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज के नज़रिए को अपनाया है, लिहाज़ा हम मानते हैं कि इस चुनौती का हल महज़ नीतियों से नहीं किया जा सकता। इसके लिए सामूहिक एकता की ज़रुरत है, जिसमें परिवार, समुदाय, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, संस्थान और सरकार कंधे से कंधा मिलाकर, सदियों पुरानी प्रथा को तोड़ने और हर बच्चे की आकांक्षाओं की रक्षा करने के लिए एक साथ खड़े हों। हमारे साझा संकल्प के एक शक्तिशाली प्रतिबिंब के रूप में, गाँवों और कस्बों के करोड़ों लोग बाल विवाह को समाप्त करने का संकल्प लेने के लिए आगे भी आए हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत के लिए पूरी सरकार एकजुट- बाल विवाह हमारे देश में पीढ़ियों से चली आ रही सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह अक्सर उन समुदायों में दिखती है, जहाँ शिक्षा, संसाधनों और जागरूकता की सीमित पहुँच है। अभाव और असमान अवसरों के कारण पैदा हुई ये कमियाँ, इस प्रथा को जारी रखने में मदद करती हैं, जिससे अनगिनत बच्चे अपने उज्ज्वल भविष्य को साकार करने से वंचित रह जाते हैं।

वर्तमान में बेहतरी के लिए प्रयास: मोदी सरकार के तहत, हम उन जड़ों को खत्म कर रहे हैं, जिन्होंने कभी इस प्रथा को पोषित किया था। स्पष्ट नीतिगत दिशा, विचार विमर्श कर तैयार की गई योजनाओं और शासन में समुदायों के नए विश्वास के साथ, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय उन परिस्थितियों को खत्म करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिनके कारण बाल विवाह की प्रथा अब तक जारी रही। आज हम जो प्रगति देख रहे हैं, वह सुनियोजित ढंग से तैयार की गई योजनाओं की वजह से हैं, जिनके तहत महिलाएं और बच्चे राष्ट्रीय विकास के केंद्र में हैं।

हमारी नीतियां और पहल, संवेदनशील कारणों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर अधिकार, देश के सबसे दूरस्थ गाँव और बस्तियों में सबसे कमजोर बच्चे के जीवन पर सकारात्मक असर डालते हुए अंतिम छोर तक पहुँचे। सरकार की हर योजना महिलाओं और बच्चों को जोखिम के हर चरण में सहारा देने के लिए तैयार की गई है, ताकि अजन्मे बच्चे से लेकर किशोरी तक, उनके जीवन के हर चरण की सुरक्षा, प्राथमिकता और सशक्तिकरण हो।

पोषण ट्रैकर और पोषण भी पढ़ाई भी से लेकर समग्र शिक्षा अभियान तक, और राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति कार्यक्रम से लेकर प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना तक, हर पहल एक सुरक्षा कवच और हर बच्चे के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समान भविष्य की ओर एक मार्ग के रूप में कार्य करती है।

समावेशन के उत्प्रेरक के रूप में तकनीक की मदद से, मंत्रालय का प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म, पोषण ट्रैकर, 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को स्तनपान कराने वाली माताओं, छह साल से कम उम्र के बच्चों और किशोरियों से सहजता से जोड़ता है। इसने देश भर में 10.14 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए एक मज़बूत सुरक्षा तंत्र तैयार कर दिया है। इस डिजिटल सक्षमता के साथ पोषण भी पढ़ाई भी, एक बदलावकारी प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पहल के रूप में तैयार हुआ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक पूर्व-प्राथमिक बच्चे को समग्र, उच्च-गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक प्रोत्साहन मिले, जो आजीवन सीखने की भावना की नींव रखता है।

हमारी नीतियाँ न केवल इरादे, बल्कि ज़मीनी स्तर पर कार्रवाई को भी दर्शाती हैं। निरंतर बजटीय प्रतिबद्धताओं और लक्षित निवेशों में सुधारों को शामिल करते हुए, मोदी सरकार ने यह साफ कर दिया है कि बाल विवाह जैसी गंभीर समस्याओं से बच्चों की रक्षा करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनी हुई है। राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति कार्यक्रम, जिसके लिए केवल 2025-26 के लिए 1,827 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण स्कूल न छोड़े, जो बाल विवाह के सबसे अहम कारणों में से एक है। इस बीच, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली युवतियों को ज़रुरी वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ने युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल से लैस करके, उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन और मान्यता प्राप्त सरकारी प्रमाणन प्रदान करके इस सुरक्षा कवच को और मज़बूत किया है। इसी प्रकार, प्रधानमंत्री-दक्ष योजना, हाशिए पर पड़े समुदायों, खासकर अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के युवाओं को सशक्त बनाती है, जो बाल विवाह के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। उन्हें कौशल और अवसरों का लाभ देकर, हम समृद्ध और स्वतंत्र जीवन के मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई मिसाल कायम कर रहे हैं।

प्रभाव: बाल विवाह मुक्त भारत बनने के और नज़दीक

कुछ साल पहले तक, बाल विवाह को समाप्त करने का विचार दूर की कौड़ी, यहाँ तक कि असंभव नज़र आता था। लेकिन भारत ने इसके विपरीत साबित कर दिया है। स्पष्ट नीतियों, निरंतर कार्रवाई, केंद्रित जमीनी प्रयासों और मापयोग्य प्रगति के ज़रिए, हमने उस धारणा को चुनौती दी है और दिखाया है कि बदलाव न केवल मुमकिन है, बल्कि पहले से ही उसके प्रयास जारी हैं।

यह अभूतपूर्व बदलाव हज़ारों छोटी-बड़ी, सशक्त कोशिशों का नतीजा है। हमारे बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) इस मिशन की रीढ़ बनकर उभरे हैं। पिछले एक साल में ही, हमने देश भर में 37,000 से ज़्यादा सीएमपीओ नियुक्त करके अपनी अग्रिम पंक्ति को मज़बूत किया है।

जोड़े में क्यों चढ़ाया जाता है बाबा खाटू श्याम को इत्र

जब भी हमारे मन में किसी चीज को लेकर शंका होती है, तो हम सबसे पहले भगवान के दरबार में जाते हैं, ताकि उनके सामने अपनी इच्छा को रख सके। इसके लिए कई सारे लोग मंदिर में धागा बांधते हैं, तो कुछ लोग वहां पर सिर्फ मन्नत मांगकर आ जाते हैं। लेकिन खाटु श्याम बाबा के दरबार में मांगी गई मन्नत के लिए लोग वहां इत्र चढ़ाते हैं और मन्नत पूरी होने पर इसे जोड़े में लेकर आते हैं। आर्टिकल में बताते हैं किस जोड़े में इत्र चढ़ाने के क्या हैं धार्मिक महत्व।

खाटु श्याम बाबा के दरबार में चढ़ता है इत्र
ऐसा कहा जाता है कि बाबा खाटू श्याम को इत्र काफी प्रिय था। इसलिए बर्बरीक अपना ज्यादातर समय गुलाब के बागीचे में बिताते थे। इसलिए इनके मंदिर में इत्र चढ़ाया जाता है। इत्र को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जब भी किसी को कुछ इच्छा मांगनी होती है, तो इत्र चढ़ाते हैं।

जोड़े में इत्र चढ़ाने का क्या महत्व है
जब कोई मनोकामना पूरी हो जाती है, तो खाटू श्याम बाबा को जोड़े में इत्र चढ़ाते हैं। इसके पीछे भी मुख्य धार्मिक कारण हैं। भगवान को धन्यवाद करने के लिए आप खाटू श्याम को इत्र चढ़ा सकते हैं। इस तरह से इत्र चढ़ाने से हर कोई भगवान का आभार व्यक्त करता है, ताकि वो अगली बार भगवान से अपनी इच्छा को पूरा कर सके।

ऐसी मान्यता है कि जोड़े में इत्र चढ़ाने से बाबा प्रसन्न होते हैं और भक्त के जीवन से कष्टों और बाधाओं को दूर करते हैं। इससे बाबा खाटू श्याम का आशीर्वाद हमेशा हमारे ऊपर बना रहता है।

खाटू श्याम बाबा को इत्र चढ़ाना उनकी प्रिय वस्तु अर्पित करने, पवित्रता व्यक्त करने और अपनी इच्छाएं प्रस्तुत करने का माध्यम है। इससे जीवन में सुख शांति बनी रहती है। साथ ही, जीवन में मधुरता आती है।

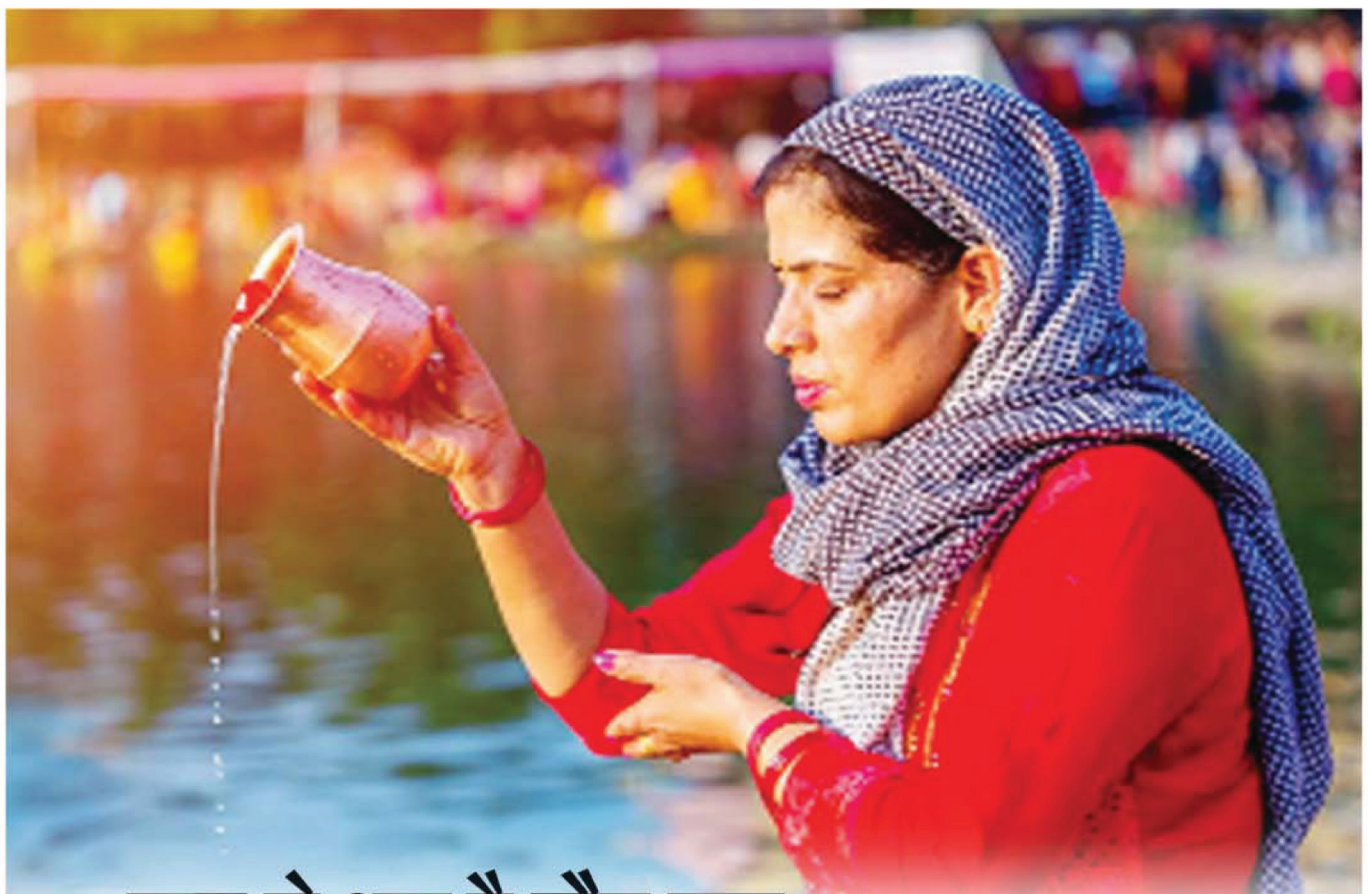

कब से शुरू है पौष माह रुक जाएंगे सारे शुभ काम? नियम और खास उपाय

हिंदू पंचांग के अनुसार, पौष माह वर्ष का दसवां महीना होता है। यह महीना देवताओं के पितरों को समर्पित माना जाता है और यह अक्सर दिसंबर या जनवरी के दौरान आता है। ज्योतिष के अनुसार, पौष माह में सूर्य देव की पूजा का विशेष महत्व है, लेकिन इस महीने को खरमास के दौरान आने के कारण शुभ और मांगलिक कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है। इस महीने में किए गए पूजा-पाठ और दान-पुण्य से घर में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य का आगमन होता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि आखिर कब से शुरू हो रहा है पौष माह, क्या है इस माह का महत्व, इस माह में कौन से उपाय करने चाहिए और इस महीने में क्या करना चाहिए एवं क्या नहीं करना चाहिए?

पौष माह कब से शुरू?

साल 2025 में पौष माह की शुरुआत 5 दिसंबर, शुक्रवार के दिन से है। वहीं, पौष माह का समापन 3 जनवरी 2026 को शनिवार के दिन हो रहा है। इस पूरे एक महीने की अवधि को ही खरमास के नाम से जाना जाता है।

पौष माह उपाय

पौष माह सूर्य देव को समर्पित है। हर दिन सुबह स्नान करने के बाद, सूर्य देव को तांबे के लोटे से अर्घ्य जरूर दें। अर्घ्य देते समय ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जाप करें। यह उपाय अच्छे स्वास्थ्य और मान-सम्मान में वृद्धि करता है। चूंकि यह महीना कड़ाके की सर्दी में आता है इसलिए जरूरतमंदों को गर्म कपड़े, गुड़ और तिल का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे पुण्य की प्राप्ति होती है और शनि दोष भी शांत होता है।

पौष माह नियम

इस पूरे महीने में शादी-विवाह, मुंडन, सगाई, गृह प्रवेश और नए व्यापार का आरंभ जैसे सभी शुभ कार्य पूरी तरह से वर्जित होते हैं। माना जाता है कि कमजोर सूर्य बल के कारण इन कार्यों में सफलता नहीं मिलती। इस दौरान मकान, गाड़ी या कीमती सामान की बड़ी खरीदारी से बचना चाहिए। इस महीने में सादा भोजन करना चाहिए और मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। धार्मिक कार्यों और भगवान का नाम जपने पर ध्यान देना चाहिए।

पौष माह महत्व

यह महीना मुख्य रूप से सूर्य देव और पितरों को समर्पित है। इस दौरान सूर्य की पूजा से तेज और ऊर्जा मिलती है और पितरों के लिए किए गए तर्पण से पितृ दोष दूर होते हैं। इस माह में सूर्य की पूजा करने से व्यक्ति का शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। सूर्य को रोगों का नाश करने वाला माना गया है। इस महीने में दान, व्रत और तप करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पौष माह में किसकी पूजा होती है?

धार्मिक दृष्टि से, पौष माह को सूर्य देव की पूजा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पूरे माह में सूर्य देव की उपासना करने से व्यक्ति को तेज, यश और उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि जो भक्त इस महीने में सूर्य भगवान की विधिवत पूजा और व्रत करते हैं उनके जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसे में आइये जानते हैं कि पौष माह में सूर्य देव की कृपा पाने के लिए कैसे करें उनकी पूजा और क्या हैं सूर्य पूजा के लाभ एवं नियम?

पौष माह में सूर्य पूजा की विधि?

पौष माह में प्रतिदिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर लें। यदि संभव हो, तो पूजा के दौरान लाल या नारंगी रंग के वस्त्र पहनें। स्नान के बाद तांबे के लोटे में शुद्ध जल लें। इस जल में लाल चंदन, लाल फूल और अक्षत मिलाएं। उगते हुए सूर्य को जल की धारा अर्पित करें। अर्घ्य देते समय जल की धारा के बीच से सूर्य देव के दर्शन करें और ऊँ सूर्याय नमः, ऊँ घृणि सूर्याय नमः या सूर्य गायत्री मंत्र का जाप करें। अर्घ्य देने के बाद सूर्य देव को प्रणाम करें। अपनी मनोकामना पूरी करने की प्रार्थना करें। इसके बाद, उसी स्थान पर खड़े होकर तीन बार परिक्रमा करें। इस महीने में सूर्य देव के निमित्त किसी जरूरतमंद को गुड़, गेहूं, लाल वस्त्र और तांबा दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

पौष माह में सूर्य पूजा के नियम?

पौष माह में सूर्य देव की पूजा करते समय कुछ विशेष नियमों का पालन करना

बहुत है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। इन नियमों को अपनाकर आप सूर्य देव की कृपा प्राप्त कर सकते हैं और सुख-समृद्धि पा सकते हैं। सूर्य देव को जल चढ़ाते समय उगते हुए सूर्य के सामने खड़े होकर जल की धारा अर्पित करें। ध्यान रहे कि जल की धार के बीच से सूर्य देव को देखें। अर्घ्य देते समय सूर्य के 12 नामों का जाप करना बहुत शुभ माना जाता है। अगर आपको सूर्य देव के 12 नाम नहीं पता है तो ऐसे में आप सूर्य देव का मुख्य मंत्र जाप सकते हैं और चाहें तो सूर्य अर्घ्य केबाद आसन पर बैठकर 1 माला का जाप भी कर सकते हैं। इससे आपकी पूजा पूर्ण मानी जाती है।

सूर्य देव की पूजा के बाद दान करना बहुत आवश्यक है क्योंकि दान के बिना पूजा-पाठ का फल नहीं मिल पाता है। इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि दान जरूरतमंद को करें और सूर्य देव के निमित्त करें।

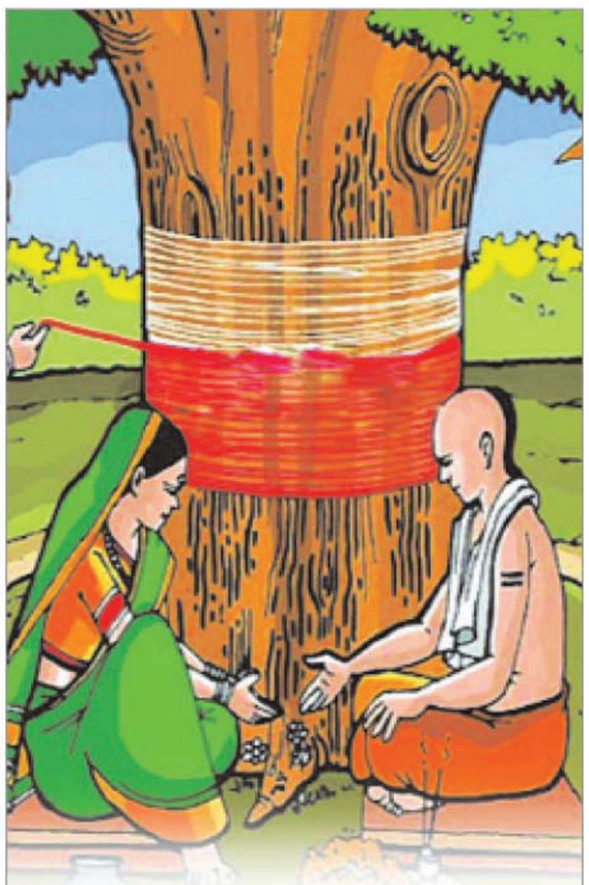

हिन्दू धर्म में क्यों की जाती है वृक्ष की पूजा

एकेश्वरवादी धर्म के लोगों को लिए यह बात बड़ी अजीब लगती है कि हिन्दू धर्म के लोग वृक्ष की पूजा क्यों करते हैं जबकि वह कोई ईश्वर या भगवान नहीं है? दरअसल, हिन्दुइज्म यह मानता है कि इस ब्रह्मांड में सभी कुछ परमात्मा का ही अंश है और सभी एक दूसरे से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं।

पीपल और बरगद

वृक्ष की पूजा या प्रकृति की पूजा करने के पीछे साइंटिफिक रीजन भी है। जैसे कि हिन्दू धर्म में बरगद और पीपल के पेड़ की पूजा का प्रचलन है। हम सभी जानते हैं कि यह वृक्ष 24 घंटे ऑक्सीजन देते हैं। अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल और बरगद के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण ही इन्हें 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। यानी की हमारे ऋषि मुनि कहीं न कहीं इस वृक्ष के महत्व को समझते थे। अक्सर आपने देखा होगा की पीपल और वट वृक्ष की परिक्रमा का विधान है। इनकी पूजा के भी कई कारण है। स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है।

तुलसी और आंवला

इसी तरह यदि हम औषधीय पौधों की बात करें तो तुलसी और आंवला की भी पूजा होती है। कोविड 19 के समय जब विटमिन सी को अच्छे से लेने की सलाह दी गई तब हम सब ने आमला का सेवन और शुरु कर दिया था। इसी तरह जब इम्यूनिटी को बूस्ट करने की बात की गई तो सभी ने तुलसी का रस पीना प्रारंभ कर दिया था। यह दोनों ही तरह के पौधे अत्यंत ही औषधीय गुणों से संपन्न है। यह कई तरह के रोगों को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। आयुर्वेद में आमला को सूपरफूड कहा गया है और तुलसी को अमृत माना है।

मोक्ष और मुक्ति में फर्क?

हर व्यक्ति अपने परिवार के मृतकों की मुक्ति या मोक्ष की कामना करता है। कई दफे मुक्ति और मोक्ष को एक ही मान लिया जाता है। सामान्यतः यह अर्थ निकाला जाता है कि जन्म-मरण से छुटकारा मिलना ही मुक्ति या मोक्ष है। आओ जानते हैं दोनों के बीच के फर्क को।

मुक्ति : जब कोई सामान्य व्यक्ति मरता है तो उसकी सद्गति के लिए श्राद्ध या तर्पण करते हैं। कहते हैं कि कर्मों के अनुसार व्यक्ति यदि पशु, पक्षी या प्रेत आदि बन गया है तो उससे मुक्त होकर वह पुनः मनुष्य योनी में आ जाए या देवलोक चला जाए। इसके लिए गया में श्राद्ध कर्म किया जाता है। अंतिम कर्म ब्रह्मकपाली में होता है। जैसे कोई रोग से मुक्ति हो जाए, कोई बुरी योनी से मुक्त हो जाए या कोई नरक से मुक्त हो जाए यही मुक्ति का अर्थ है परंतु मोक्ष इससे भी बढ़कर है।

मोक्ष : मोक्ष की धारणा वैदिक ऋषियों से आई है। भगवान बुद्ध को निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त करने के लिए अपना पूरा जीवन साधना में बिताना पड़ा। महावीर को कैवल्य (मोक्ष) प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या करनी पड़ी और ऋषियों को समाधि (मोक्ष) प्राप्त करने के लिए योग और ध्यान की कठिन साधनाओं को पार करना पड़ता है। अतः सिद्ध हुआ कि मोक्ष को प्राप्त करना बहुत ही कठिन है। मोक्ष प्राप्त करने से व्यक्ति जन्म मरण के चक्र से छुटकर भगवान के समान हो जाता है। मोक्ष मिलना आसान नहीं। दुनिया में सब कुछ आसानी से मिल सकता है, लेकिन खुद को पाना आसान नहीं। खुद को पाने का मतलब है कि सभी तरह के बंधनों से मुक्ति।

मौत के बाद नहीं मिलता है मोक्ष

यह आम धारणा है कि मरकर मिल जाती है मुक्ति। मरकर इस जन्म के कष्टों से मिल जाती होगी मुक्ति, लेकिन फिर से जन्म लेकर व्यक्ति को नए सांसारिक चक्र में पड़ना होता है। प्रभु की कृपा से व्यक्ति के कष्ट दूर हो सकते हैं, दूसरा जन्म मिल सकता है, लेकिन मोक्ष नहीं। मोक्ष के लिए व्यक्ति को खुद ही प्रयास करने होते हैं। प्रभु उन प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं।

मोक्ष क्या है

मोक्ष एक ऐसी दशा है जिसे मनोदशा नहीं कह सकते। इस दशा में न मृत्यु का भय होता है न संसार की कोई चिंता। सिर्फ परम आनंद। परम होश। परम शक्तिशाली होने का अनुभव। मोक्ष समयातीत है जिसे समाधि कहा जाता है। मोक्ष का अर्थ सिर्फ जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाना ही नहीं है। बहुत से भूत-प्रेत और देव आत्माएं हैं जो हजारों या सैकड़ों वर्षों तक जन्म नहीं लेती लेकिन उनमें वह सभी वृत्तियां विद्यमान रहती है जो मानव में होती है। भूख, प्यास, सत्य असत्य, धर्म अधर्म, न्याय अन्याय आदि। सिद्धि प्राप्त करना मोक्ष या समाधि प्राप्त करना नहीं है। यह ईश्वर से साक्षात्कार करना भी नहीं है।

ध्यान को छोड़कर संसार में अभी तक ऐसा कोई मार्ग नहीं खोजा गया जिससे समाधि या मोक्ष पाया जा सके। लोग भक्ति की बात जरूर करते हैं लेकिन भक्ति भी ध्यान का एक प्रकार है। अब सवाल यह उठता है कि कौन सी और किस की भक्ति यह खोजना जरूरी है। गीता में जिन मार्गो की चर्चा की गई है वह सभी मार्ग साक्षित्व ध्यान तक ले जाकर छोड़ देते हैं। योग के सभी आसन ध्यान लगाने के लिए होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

भूकंप के तेज झटकों से कांपा नेपाल ! दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

काठमांडु , एजेंसी। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में रविवार सुबह हल्के से मध्यम तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार झटके सुबह 8=28 बजे महसूस किए गए और इसकी तीव्रता 4.6 रिक्टर स्केल मापी गई।भूकंप का केंद्र दार्चुला जिले के घुसा क्षेत्र में स्थित था, जो पहाड़ी इलाकों में आता है और जहां सामान्यतः भूकंपीय गतिविधि अधिक दर्ज की जाती है। आसपास के जिलों बझांग, बैतड़ी और डोटी में भी झटके महसूस किए गए, लेकिन किसी भी तरह के नुकसान या हताहत की जानकारी नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि भूकंप अल्प अवधि का था और लोगों में घबराहट की स्थिति नहीं बनी। नेपाल का पश्चिमी हिस्सा भूकंप संवेदनशील माना जाता है।इसी प्रांत में पिछले महीने 30 नवंबर को 4.4 तीव्रता का भूकंप सैपाल पर्वतीय क्षेत्र (बझांग जिला) में दर्ज हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह क्षेत्र भारतीय टेक्टोनिक प्लेट की निरंतर गतिशीलता के कारण 'हाई सीस्मिक जोन' में आता है, इसलिए हल्के झटके अक्सर महसूस किए जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में चमकी भारतीय सेना, कर्नल प्रतीक रॉय को मिला सबसे बड़ा डिफेंस अवॉर्ड

सिडनी , एजेंसी। भारतीय सेना के कर्नल प्रतीक रॉय को ऑस्ट्रेलियन डिफेंस कॉलेज में डिफेंस स्ट्रैटेजिक एंड स्टडीज़ कोर्स पूरा करने पर प्रतिष्ठित गेडेस गेवेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया स्थित भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को यह जानकारी साझा की। यह पुरस्कार उस अधिकारी को दिया जाता है, जो क्षेत्रीय संबंधों, निर्णय प्रक्रिया, तथा राजनीतिक, कूटनीतिक, सैन्य, सांस्कृतिक और आर्थिक पहलुओं की सबसे गहरी समझ प्रदर्शित करता है। भारतीय उच्चायोग ने ङ्क पर लिखा,भारतीय सेना के कर्नल प्रतीक रॉय को ऑस्ट्रेलियन डिफेंस कॉलेज में डिफेंस स्ट्रेटेजिक एंड स्टडीज कोर्स पूरा करने पर कमांडर ऑस्ट्रेलियन डिफेंस कॉलेज अवार्ड / गेडेस गेवेल अवा मिलने पर बधाई। यह पुरस्कार उत्कृष्ट सामरिक ज्ञान और क्षेत्रीय समझ के आधार पर दिया जाता है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा संबंध हाल के वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं। नवंबर में, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत रक्षा, व्यापार, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा पर महत्वपूर्ण बैठकें की थीं।अक्टूबर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान दोनों देशों ने कई अहम रक्षा समझौते भी किए। ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने इसे दोनों देशों की सेनाओं के बीच गहरी सामरिक समझ और भरोसे को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी विमानों पर दो बार लॉक किया रडार

टोक्यो , एजेंसी। चीन के एक सैन्य विमान ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। जापान ने आज इस घटना को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराया है। चीनी सैन्य विमान ने विमानवाहक पोत लियानओनिंग से उड़ान भरी थी। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद दोनों देशों के संबंध खराब हो गए हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले जे-15 लड़ाकू विमान ने शनिवार को दो बार जापान के एफ-15 विमानों पर अपना रडार लॉक किया। पहली बार देर दोपहर करीब तीन मिनट के लिए और दूसरी बार शाम में लगभग 30 मिनट तक रडार लॉक किया गया। हालांकि जापान के हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ। रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने इसे बेहद खतरनाक हरकत बताया। उन्होंने कहा कि चीन का यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। चीन पहले ही जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान पर नाराजगी जता चुका है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई करता है तो जापान भी इसमें शामिल हो सकता है। घटना के दौरान लियाओनिंग ओकिनावा और मियाको द्वीपों के बीच से गुजर रहा था और वह प्रशांत महासागर में विमान संचालन का अभ्यास कर रहा था। जापानी एफ-15 विमान सतर्कता के तौर पर हवा में भेजे गए थे और वे सुरक्षित दूरी पर रहते हुए चीनी विमानों पर नजर रख रहे थे। इस्तेमाल सामान्य खोज के लिए भी करते हैं और मिसाइल दागने से पहले फायर कंट्रोल के रूप में भी।

ट्रम्प धमाकेदार सुरक्षा रणनीति ने हिलाई दुनिया

चीन पर सीधा वार, भारत को बनाया बड़ा हथियार !

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन ने इस सप्ताह अपनी नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी की, जिसमें अमेरिकन फर्स्ट को अमेरिकी विदेश नीति और रक्षा नीति का मुख्य आधार बनाया गया है। ट्रम्प की इस नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति से दुनिया हिल जाएगी। 33 पन्नों की इस व्यापक रणनीति में कड़े सीमा नियंत्रण, उद्योगों के पुनर्जीवन, वैश्विक स्तर पर जिम्मेदारियों के पुनर्वितरण और चीन के बढ़ते आर्थिक-सेना प्रभाव का मुकाबला करने पर जोर दिया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दस्तावेज़ में कहा कि उनकी सरकार ने ऐतिहासिक गति से अमेरिका की ताकत बहाल की है, और दावा किया कि किसी भी प्रशासन ने इतने कम समय में इतना बड़ा बदलाव नहीं किया।

रणनीति की मुख्य बातें

नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में कहा गया है कि अमेरिका एक स्वतंत्र और संप्रभु गणराज्य रहेगा, जिसका दायित्व अपने नागरिकों के अधिकारों और हितों की रक्षा करना है। इसमें मजबूत सीमाएं, आव्रजन पर नियंत्रण और देशों के बीच सहयोग से अवैध जनसंख्या प्रवाह रोकने की बात शामिल है।

चीन को लेकर बेहद सख्त

नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति चीन को लेकर बेहद सख्त है और कहता है कि दशकों की अमेरिकी नीतियों से चीन आर्थिक रूप से शक्तिशाली बन गया जबकि अमेरिकी उद्योग कमजोर हुए। रणनीति में चीन पर राज्य-नियंत्रित सब्सिडी, तकनीकी चोरी, महत्वपूर्ण सप्लाई चेन पर कब्ज़े की कोशिश के आरोप शामिल हैं। यह अमेरिका के लिए इंडो-पैसिफिक को अगले सदी का मुख्य आर्थिक-सामरिक रणक्षेत्र बताया गया है।

अमेरिका में और सख्त हुआ वीजा जांच

भारतीयों में बढ़ी चिंता, समझिए कैसे?

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने अपने अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के तहत इमिग्रेशन नियमों को और सख्त कर दिया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काम से जुड़े वीज़ा नियमों को कड़ा कर रहे हैं और जांच प्रक्रिया को और मजबूत बना रहे हैं। इसके तहत अमेरिका की ट्रंप सरकार ने घोषणा की है कि 15 दिसंबर से एच-1बी वीजा और उनके परिवार (एच-4) आवेदकों की जांच और कड़ी होगी। इसके लिए बनाए गए नए नियमों के तहत सबसे पहले सभी वीजा आवेदकों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'पब्लिक' करना होगा, ताकि अधिकारी उनकी ऑनलाइन

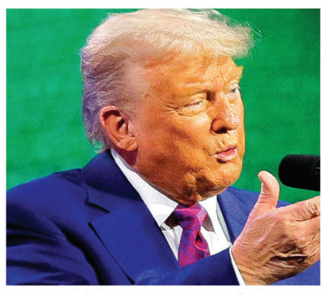

गतिविधियों की जांच कर सकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वीजा पाना एक अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेष अनुमति है। हर वीजा जांच राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। मामले में अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी उपलब्ध जानकारी देखकर ही फैसला लें कि आवेदक को वीजा दिया जाए या नहीं। बता दें कि ट्रंप प्रशासन के इस नए और सख्त कदम के बाद अमेरिका में वीजा पर काम करने वाले भारतीयों के लिए थोड़ी-बहुत चिंता बढ़ने की बात कही जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि एच-1बी वीजा लेने वालों में बड़ी संख्या भारतीय प्रोफेशनल्स की है, इसलिए यह फैसला भारतीयों पर खास असर डाल सकता है। हालांकि इससे पहले भी सितंबर में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक आदेश जारी कर नए एच-1बी वीजा आवेदन पर 100,000 डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) की एकमुश्त फीस लगा दी थी। इसके साथ ही अमेरिका ने 19 संवेदनशील देशों के नागरिकों के ग्रीन कार्ड, नागरिकता और अन्य इमिग्रेशन आवेदन अस्थायी रूप से रोक दिए हैं। यूएससीआईएस ने यह फैसला वॉशिंगटन डीसी में हुई एक फायरिंग घटना के बाद लिया, जिसमें अमेरिकी आर्मी स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और एयर फोर्स सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हुए।

गौरतलब है कि इस हमले का आरोपी लाकनवाल (29) अफगान नागरिक है, जो ऑपरेशन एलाइस वेलकम कार्यक्रम के तहत 2021 में अमेरिका पहुंचा था। ऐसे में अमेरिकी सरकार का कहना है कि वह किसी भी तरह के सुरक्षा खतरे को रोकने के लिए ज्यादा सतर्क रहना चाहता है, इसलिए वीजा और इमिग्रेशन प्रक्रियाओं को और कड़ा किया जा रहा है।

डिवाइडर से टकराई मर्सिडीज हवा में उछलकर कारों पर गिरी

रोमानिया, एजेंसी। रोमानिया से एक बेहद चौंकाने वाला और ड्रामेटिक सड़क हादसे का वीडियो सामने आया है जिसे देखकर लोग अपनी आंखों पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। एक तेज़ रफ़्तार मर्सिडीज कार डिवाइडर से टकराने के बाद कई फीट हवा में उछल गई और सामने आ रही दो कारों के ऊपर से उड़ते हुए सड़क के दूसरी तरफ जा गिरी। यह घटना कैमरे में कैद हो गई है और इसका डरावना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने बताया कि यह डरावना हादसा कार चालक को अचानक आई मेडिकल इमरजेंसी की वजह से हुआ। पुलिस के मुताबिक 55 साल के ड्राइवर को अचानक स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति हुई जिसके कारण उसने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। तेज़ रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई फिर हवा में कई मीटर ऊपर उछल गई और सामने से आ रही दो कारों को पार करते हुए सड़क की विपरीत दिशा में जा गिरी।

हांगकांग में 'नई राजनीति' का इम्तिहान, आग त्रासदी के बाद वोटिंग शुरू

जनता देगी सरकार को असली रिपोर्ट कार्ड !

हांगकांग , एजेंसी।
चीन के एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग में 2021 में व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करके लोकतंत्र समर्थक विपक्ष को खत्म किए जाने के बाद से दूसरी बार हो रहे लेजिस्लेटिव काउंसिल चुनाव के लिए रविवार को मतदान जारी है। लगभग दो सप्ताह पहले एक अपार्टमेंट में आग लगने से 159 लोगों की मौत के बाद हो रहा यह चुनाव इस त्रासदी को संभालने को लेकर सरकार के बारे में जनता की राय भांपने का एक जरिया साबित हो सकता है। जो 2021 में हुए पिछले चुनाव में 30 प्रतिशत तक गिर गया था। शहर के मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने शुक्रवार को लोगों से मतदान करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि वह नयी 'लेजिस्लेटिव काउंसिल% में एक प्रस्ताव पेश करेंगे, जिसमें यह बताया जाएगा कि आग से प्रभावित पीड़ितों की कैसे सहायता की जा सकती है। मतदान रात 11=30 बजे खत्म होगा।इस चुनाव में उम्मीदवारों

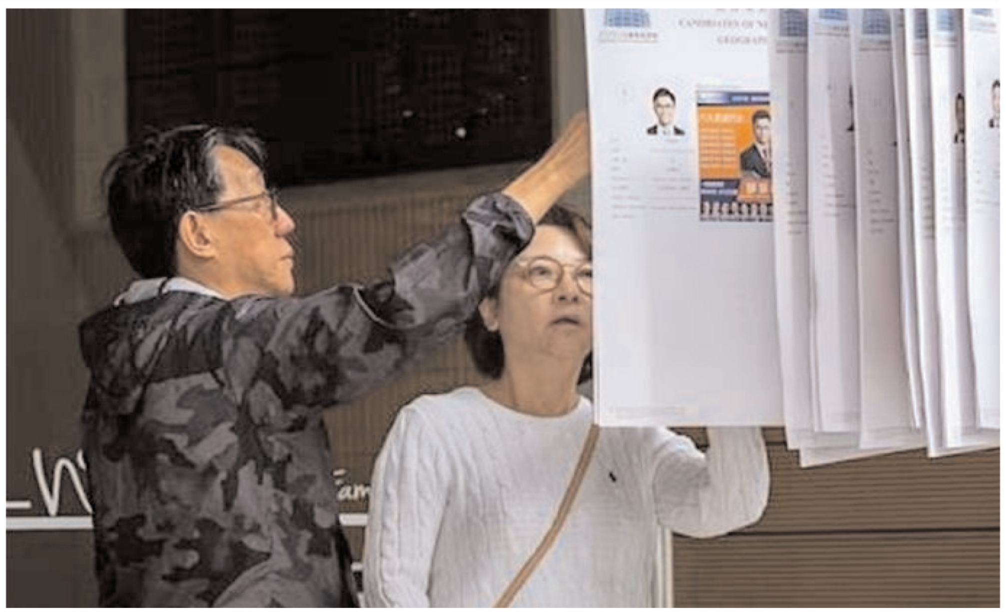

का चीन के प्रति निष्ठावान होना आवश्यक है। शहर के 41 लाख पात्र मतदाताओं में से कई, विशेष रूप से लोकतंत्र समर्थक लोग, 2019 में हुए विशाल विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए दमन के पश्चात राजनीति से दूर हो गए हैं। साल 2021 के परिवर्तनों से पहले भी 70 सदस्यीय 'लेजिस्लेटिव काउंसिल में से केवल आधे सदस्य सामान्य मतदाता चुनते थे। अब सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 90 कर दी गई है, जिनमें से 20 सदस्यों को मतदाता चुनते हैं जबकि 40 का चुनाव चीन समर्थक चुनाव समिति करती है। शेष 30 सदस्य विभिन्न समूहों, जैसे वित्त, स्वास्थ्य और रियल एस्टेट से चुने जाते हैं।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य

गश्त करते दिखे दो विमान और सात नौसैनिक जहाज

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया।

मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्ष बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे जापान के अस्तित्व के लिए खतरा माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं, जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। उनके बयान से चीन नाराज हुआ और उसने जापान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें जापान की यात्रा और शिक्षा पर चेतावनी और जापानी समुद्री भोजन के आयात को रोकना शामिल है।

ड्रोन हमला: 33 बच्चों समेत 50 लोगों की मौत, बढ़ सकता है मरने वालों का आंकड़ा

खार्तूम, एजेंसी। दक्षिण-मध्य सूडान में बच्चों के एक स्कूल पर एक अर्धसैनिक समूह द्वारा किये गये ड्रोन हमले में 33 बच्चों सहित 50 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि दक्षिण कोर्डोफन प्रांत के कलोगी शहर में पैरामेडिक्स को 卐दूसरे अप्रत्याशित हमले卐 में निशाना बनाया गया। सूडान में नागरिकों के विरुद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले एक अधिकार समूह, इमरजेंसी लॉयर्स ने शनिवार को एक बयान में बताया कि कलोगी में बचे लोगों का इलाज कर रहे पैरामेडिक्स पर दूसरा हमला हुआ है, तथा कहा कि 卐पिछले दो के निकट एक तीसरे नागरिक स्थल卐 पर भी हमला किया गया। समूह ने हमले की निंदा की तथा हमलों के लिए अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेस या आरएसएफ को दोषी ठहराया तथा इसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया।卐 मृतकों की संख्या अधिक होने की आशंका है, लेकिन इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने के कारण हताहतों की सूचना देना मुश्किल हो गया है। बृहस्पतिवार को किया गया हमला अर्धसैनिक समूह ' रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) और सूडानी सेना के बीच जारी जंग में नया घटनाक्रम है। दोनों समूह दो साल से भी ज्यादा समय से युद्धरत हैं। अब युद्ध तेल-समृद्ध कोर्डोफन राज्य में केंद्रित है।

तस्करी से जुड़ी नावों पर हमलों को लेकर बोले रक्षा मंत्री हेगसेथ

बल प्रयोग कर सकते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कथित ड्रग कार्टेल से जुड़ी नावों पर सैन्य हमलों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास देश की सुरक्षा के लिए जैसा वह उचित समझें कार्रवाई करने का अधिकार है। हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप अपनी इच्छानुसार बल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बोलते हुए हेगसेथ ने हमलों की आलोचनाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि इन सैन्य हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय कानून के संभावित उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि अमेरिकी

नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये ऑपरेशन वाजिब था। उन्होंने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद लिए गए फैसलों से की। हेगसेथ ने कहा कि अगर आप किसी घोषित आतंकी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और देश में नाव के जरिये ड्रग्स लाते हैं तो हम आपको ढूंढ लेंगे और डुबो देंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा सही समझेंगे, वैसी निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश को इस पर शक नहीं होना चाहिए।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना आतंकवादी संगठन अल-कायदा से की। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करने के तुरंत बाद आई है, जिसमें यूरोपीय साझेदारों को कमजोर बताया गया है। इस रणनीति का मकसद अमेरिकी ताकत को पश्चिमी गोलार्ध में फिर से स्थापित करना है।

पुतिन की भारत यात्रा ट्रंप की नाकामी, पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बयान; अमेरिकी नीति को बताया पाखंड

वॉशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को बहुसंख्य अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोर नाकामी के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी नागरिक ट्रंप को पसंद नहीं करते। रूबिन ने दावा किया कि हालिया सर्वे में पाया गया है कि अमेरिका के 65 प्रतिशत लोग ट्रंप को नापसंद करते हैं। अमेरिकी पूर्व अधिकारी ने कहा कि रूस से रियायती तेल खरीदने पर भारत को लेक्चर देकर अमेरिका पाखंड कर रहा

है क्योंकि वॉशिंगटन खुद मॉस्को के साथ व्यापार में शामिल है। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देने की स्थिति को सही ठहराया।

पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने अमेरिका की कड़ी आलोचना तब की जब उनसे नई दिल्ली दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि मॉस्को बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसकी अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। उन्होंने अगस्त में भारतीय आयात पर अमेरिका की तरफ से 50त्न टैरिफ लगाने की आलोचना की। वाशिंगटन का दावा है कि यह तेल यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देता है। नरेंद्र मोदी को भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि हम रूस से खरीदते हैं। हम ऐसे सामान और मटीरियल खरीदते हैं जिनके लिए हमारे पास कोई दूसरा बाजार नहीं है। उन्होंने कहा, अगर हम नहीं चाहते कि भारत रूसी तेल खरीदे तो हमें भारत को सस्ती कीमत पर और जितनी मात्रा में उसे जरूरत है उतनी मात्रा में ईंधन देने के लिए हम क्या करने वाले हैं? पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाकिस्तान को गले लगाने के लिए अमेरिका के पास कोई रणनीतिक तर्क नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को आतंकवाद का स्टेट स्पॉन्सर घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जून में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे पर भी आपत्ति जताई और कहा कि मुनीर को अमेरिका में गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

खबर-खास

बाईक चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पैदल चल रहे युवक को मारी ठोकर

बसना(समय दर्शन)। भंवरपुर चौकी, थाना बसना अंतर्गत बाईक सवार द्वारा तेज गति से लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने का मामला प्रकाश मे आया है।

बाईक चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक चलाते पैदल जा रहे यूवक को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया । जिस पर मामला दर्ज किया गया है। कृष्णचंद बरिहा ने पुलिस को बताया कि वह ग्राम पडकीपाली में रहता है खेती किसानी का काम करता है। दिनांक 07.12.2025 को लगभग 5.00 बजे प्रात: लगभग बेटा मनोज कुमार बरिहा अपने दोस्तो कोमल निषाद, डोलामणी चौधरी के साथ में पैदल मार्निंग वाक में ग्राम पडकीपाली से पडकीपाली नाला तरफ आ रहा था पडकीपाली नाला के पास पहुँचे थे कि पीछे से आ रही मोटर सायकल सी डी डिलक्स कमांक सी जी 00 जी जी 5805 का चालक द्वारा अपने मोटर सायकल को उपेक्षापूर्ण व उतावलापुर्वक तथा खतरनाक ढंग से चलाते हुये बेटे को ठोकर मारकर एक्सीडेट कर दिया जिससे पुत्र मनोज बरिहा के सिर में बांया पैर में चोट आकर दर्द हो रहा था उसके साथ में मार्निंग वाक में धुम रहे लडको के द्वारा फोन के माध्यम से सुचना देने पर पडकीपाली माला के पास पहुँचा तो बेटा रोड किनारे में एक्सीडेट होकर बैठा था सिर में काफी खुन निकल रहा था तब उसे अपने घर वालो के साथ में मिलकर श्याम हास्पिटल भंवरपुर लेकर गया अभी वर्तमान मे ईलाज करा रहा मार्निंग वाक मे घुम रहे कोमल निषाद डोलामणी चौधरी लोग देखे है पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

छत्तीसगढ़ मे खेलों को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ शासन तत्पर : अरुण साव

राजनांदगांव (समय दर्शन)। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफइंडिया के निर्देशानुसार भारत में महिला खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ हॉकी के द्वारा अस्मिता हॉकी लीग चैंपियनशिप का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आज उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, पूर्व विधायक रामजी भारती, समाजसेवी राजेंद्र गोलछा, पूर्व महापौर अजीत जैन, पार्षद शिव वर्मा एवं सुनील कन्हैया साहू, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे एवं समाजसेवी राधेश्याम गुप्ता शामिल हुए।

मुख्य अतिथि अरुण साव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। मंत्री ने राजनांदगांव की हॉकी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां की हॉकी ने देश ही नहीं, विश्व में अपनी पहचान बनाई है।

मंत्री साव ने विजेता टीम भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), उपविजेता टीम स्पोर्ट्स अकादमी रायपुर तथा तृतीय स्थान प्राप्त खेलो इंडिया टीम को बधाई दी और कहा कि यह प्रतियोगिता प्रदेश में महिला हॉकी को मजबूती देने और नई प्रतिभाओं को पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि खेल मंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में खेलों का स्तर निरंतर ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि हाल ही में राष्ट्रीय हॉकी शिविर के लिए छत्तीसगढ़ के 9 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जो बेंगलुरु में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी करेंगे। हॉकी स्टेडियम में अपराह्न में सांई राजनांदगांव और स्पोटर्स हॉकी अकादमी रायपुर के मध्य खेला गया। फायनल मैच बहुत संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें सांई राजनांदगांव ने स्पोटर्स हॉकी अकादमी रायपुर को 5-2 गोल से पराजित किया।

सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का हुआ भव्य समापन, पंडाल में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, निकली भव्य शोभायात्रा

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर के गांधी मैदान में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का समापन रविवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ।अंतिम दिन कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी।पंडाल में हर-हर महादेव के जयकारों के बीच कथा का वाचन सम्पन्न हुआ,जिसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने आशीर्वचन प्राप्त किए। कथावाचक संत इंद्रदेव सरस्वती जी महाराज ने अंतिम दिन भगवान शिव के दिव्य स्वरूप,भक्ति की महिमा और जीवन में धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला।कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चारण, भजनों और आरती में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं शिव महापुराण की कथा में प्रसंग के बीच भावविभोर होकर श्रद्धालु झूमतेझ्नाचते दिखे।

कथा के समापन के बाद मंदिर प्रांगण से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शिव बारात, झाँकियाँ, धूमाल और भक्तिमय गीतों की धुन ने पूरे नगर को शिवमय बना दिया।महिलाएँ,बच्चे और बुजुर्ग सभी इस शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान शिव के जयकारे लगाते नजर आए।

श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन गरियाबंद के देवांगन पर द्वारा आयोजित की गई थी।कथा के समापन अवसर पर हेमचंद देवांगन ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम संपन्न होने पर सभी श्रद्धालुओं,सहयोगियों एवं पुलिस प्रशासन और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

ज्ञात हो कि गरियाबंद में विशाल कथा पंडाल और धार्मिक उल्लास और भक्ति से परिपूर्ण यह आयोजन स्थानीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बना रहा। वहीं सोमवार को हवनझ्पूजन उपरांत महाभंडारा का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण किया।

गंजपारा कब्रिस्तान के पास मेन पाइप लाइन लीक 10 दिसंबर को कई क्षेत्रों में पानी सप्लाई बाधित

रॉ-वॉटर सप्लाई प्रभावित मुख्य पाइप लाइन रिपेयर बुधवार को, 11 दिसंबर से सामान्य जलप्रदाय

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत गंजपारा कब्रिस्तान के पास स्थित बड़ी पेयजल पाइप लाइन में गंभीर लिकेज पाए जाने के कारण पिछले कुछ समय से सड़क पर लगातार पानी बह रहा है। भारी रिसाव की वजह से फिल्टर प्लांट तक आवश्यक मात्रा में रॉ-वॉटर की सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप जलप्रदाय व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

निगम जलकार्य विभाग द्वारा प्राथमिक रूप से स्थल निरीक्षण करने के उपरांत यह पाया गया कि मुख्य पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त हिस्से की तत्काल मरम्मत करना आवश्यक है। इसी क्रम में 10 दिसंबर 2025, दिन बुधवार को प्रात:कालीन नियमित जलप्रदाय के बाद पाइप लाइन को बंद कर रिपेयर कार्य किया जाएगा। इस दौरान संबंधित टंकियों से जुड़े क्षेत्रों में जलप्रदाय आंशिक रूप से बाधित रहेगा।

निगम ने बताया कि मरम्मत कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए टीमों को निर्देशित कर दिया गया है। पाइप लाइन को खोलकर क्षतिग्रस्त भाग की कटिंग, ज्वाइंटिंग तथा कम्प्रेशन फिटिंग का कार्य किया जाएगा। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद लाइन को टेस्टिंग के लिए चालू किया जाएगा, जिसके उपरांत जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने कंपोजिट बिल्डिंग एवं सारंगढ़ में चल रहे हैं निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए

कंपोजिट बिल्डिंग के कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से 30 अगस्त 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सोमवार को जिला मुख्यालय सारंगढ़ में निर्माणाधीन कलेक्टोरेट सयुंक्त जिला कार्यालय (कंपोजिट बिल्डिंग) एसडीएम और तहसील कार्यालय भवन निर्माण का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ड्राइंग डिजाइन के अनुसार निर्माण निर्माणाधीन कंपोजिट बिल्डिंग को पूरी गुणवत्ता के साथ 30 अगस्त 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश संबंधित कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग पी एल पैकरा एवं ठेकेदार को दिए। इसके बाद डॉ कन्नौजे ने खेलभांठा मैदान में निर्माणाधीन मंच निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने और 10 जनवरी 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग पी एल पैकरा, एसडीएम सारंगढ़ वर्षा बंसल, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, सीएमओ नगरपालिका ज्ञानपुंज कुलमित्र आदि उपस्थित थे।

डॉ संजय कन्नौजे ने राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क निर्माण (सिटी कोतवाली से भारत माता चौक) एवं सड़क चौड़ीकरण के कार्य का भी निरीक्षण किया और 12 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएमश्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय परिसर में बन रहे अतिरिक्त कक्ष एवं प्रयोगशाला कक्ष को भी 10 जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रानीसागर में अंत्याव्यवसायी विकास निगम के प्रशिक्षण (टीसीपीसी) केंद्र परिसर में, पिछले वर्ष संचालित धान भंडारण केंद्र को बंद कर इस जमीन में कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने लाइवलीहुड कॉलेज एवं नालंदा पुस्तकालय भवन हेतु जमीन चिन्हाकित कर वहां बनवाने के निर्देश एसडीएम सारंगढ को दिए। साथ ही नगरपालिका सारंगढ़ द्वारा निर्मित रानी लक्ष्मीबाई काम्प्लेक्स के ऊपर के फ्लोर, जो कई वर्षों से जर्जर स्थिति में पड़ा है, उसका स्टीमेट बनाकर उसका टेंडर लगाकर उसे पूर्ण करने हेतु सीएमओ एवं सब इंजीनियर को निर्देश दिए। इसी प्रकार टाउन एंड कंट्री प्लानिंग कार्यालय के जमीन हेतु परियोजना कार्यालय सारंगढ़ महिला एवं बाल विकास विभाग के पुराने जर्जर बिल्डिंग को डिस्मेंटल कर प्रस्ताव देकर वहां जमीन आवंटन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने नगरपालिका परिषद सारंगढ़ के सीएमओ को निर्देश दिया कि वार्ड नंबर 1 में साहू धर्मशाला से जेल रोड (एसपी कार्यालय) तक अत्यंत जर्जर हो चुकी सड़क हेतु 61 लाख स्वीकृत है।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन आज व कल

शंकराचार्य भवन एवं मंगल भवन खैरा में महोत्सव के संचालन के लिए विभिन्न विभागों को सौंपा गया दायित्व

महासमुन्द(समय दर्शन)। जिला प्रशासन खेल तथा युवा कल्याण विभाग महासमुंद द्वारा 09 एवं 10 दिसंबर 2025 को प्रात: 10 बजे से शंकराचार्य भवन एवं मंगल भवन खैरा में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा महोत्सव के सफलतापूर्वक संचालन के लिए विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपा गया है।

आयोजन स्थल में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस विभाग को दी गई है, नगर पालिका द्वारा स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्णायकों और शिक्षकों की ड्यूटी लगाने, आयोजन की प्रारंभिक तैयारी, प्रतिभागियों के पंजीयन, सूची एवं परिणाम तैयार करने तथा विद्यार्थियों की उत्कृष्ट भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आयोजन स्थल पर मेडिकल किट और प्राथमिक/आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। माई भारत महासमुंद द्वारा प्रतिभागियों के पंजीयन और पुरस्कार वितरण में सहयोग किया जाएगा। उद्यानिकी विभाग द्वारा समारोह स्थल की सजावट व्यवस्था की जाएगी। परिवहन विभाग आवागमन हेतु वाहनों की व्यवस्था करेगा और जनपद पंचायतें ग्राम पंचायतों के उत्कृष्ट कलाकारों को सूचना देकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेंगी। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आयोजन स्थल की तैयारी, विभागीय समन्वय, आदिवासी विकास विभाग द्वारा आवश्यक कार्य हेतु कर्मचारियों की उपलब्धता और विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम का मंच संचालन रेखराज शर्मा और टेकराम सेन द्वारा किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि आपसी समन्वय के साथ युवा महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराएं।

वन मंत्री केदार कश्यप आज करेंगे बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले के ग्राम नगधा में विकसित बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर और बर्ड सफारी का लोकार्पण एवं शुभारंभ आज वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार माननीय मंत्री सुबह 10:30 बजे ग्राम नगधा पहुंचकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल दास बघेल करेंगे। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल, विधायक बेमेतरा श्री दीपेश साहू, विधायक साजा श्री ईश्वर साहू, जिला पंचायत बेमेतरा की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, अध्यक्ष नगरपालिका परिषद बेमेतरा श्री विजय सिंहा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ रजककार विकास बोर्ड श्री प्रहलाद रजक, तथा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड श्री जितेंद्र साहू उपस्थित रहेंगे।

माननीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में ग्राम नगधा में सुबह 10:30 बजे बर्ड इंटरप्रिटेशन सेंटर का लोकार्पण एवं बर्ड सफारी का शुभारंभ किया जाएगा।

न्याय सबके लिए नहीं है

बिलासपुर (समय दर्शन)। यह एक ऐसा सत्य है जिसे शर्म के साथ सर झुकाकर स्वीकार करना ही होगा। कांकेर जिले के सर्व आदिवासी समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष जीवन ठाकुर की मृत्यु संदिग्ध परिस्थितियों में रायपुर सेंट्रल जेल में 4 दिसंबर को हो गई। 12 अक्टूबर को उन्हें गिरफ्तार किया गया था और कांकेर जेल में रखा गया था। 2 दिसंबर को रायपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया था। मामला फर्जी वन पट्टा बनाने की शिकायत का था शिकायत सही पाई गई थी और तहसीलदार सत्यम शुक्ला ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

फर्जी वन पट्टा बहुत बड़ा मामला नहीं है अगर जमीन का पट्टा अवैध था तो उसे रद्द करने के लिए प्रक्रिया है। एफआईआर दर्ज करने की क्या जरूरत और एफआईआर दर्ज करने के पहले वन अधिकार अधिनियम को देखा जाना चाहिए। फर्जी वन पट्टे पर एफआईआर हुई जीवन ठाकुर को गिरफ्तार किया गया जमानत नहीं मिली वो जेल चले गए और मौत प्राप्त हुई।

तुलना करें रायपुर सिविल लाइन थाने में छत्तीसगढ़ डायोसिस अपंजीकृत के पदाधिकारी नितिन लॉरेंस और उनके कई सहयोगियों के खिलाफधारा 420, 467, 468, 471 आदि जैसे संज्ञेय धाराओं में एफआईआर दर्ज है। व्यवस्था ने पूरा मौका दिया अग्रिम जमानत प्राप्त करने का यह सभी छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजूकेशन के फर्जी पदाधिकारी बनकर काम कर रहे थे। लोगों को नौकरी से निकाल देते है, तनख्वाह नहीं देते थे, पीएफ जमा नहीं करते थे यहां तक की एक स्कूल में फर्जी टीसी तक भी देते थे इतना ही नहीं फर्जी पदाधिकारी बनाकर एक लोक सेवक को धोखा दिया और अन्य के खिलाफ एफआईआर कराई।

हाल ही में रजिस्टर का आदेश छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन के युक्त पदाधिकारी वैधानिक नहीं है पर इन सबको माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अग्रिम जमानत का लाभ दिया। जीवन ठाकुर ने फर्जी वन पट्टा बनाया भी था तो क्या यह अपराध 19 स्कूल का फर्जी पदाधिकारी बनने से भी बड़ा है। जिसमें उन्हें जेल जाना पड़ा। फर्जी जाति सर्टिफिकेट और फर्जी जाति सर्टिफिकेट पर नौकरी के दर्जनों मामलों मैं आज तक छत्तीसगढ़ में गिरफ्तारियां नहीं हुई कुछ कर्मचारी अधिकारी तो पूरी नौकरी करके सेवानिवृत्त हो गए। ऐसे में सर झुका कर यह मानना ही पड़ेगा की न्याय सबके लिए एक समान नहीं होता किसी के लिए नितिन तो किसी के लिए जीवन...।

कार में आग लगाने में आरोपियों को सहयोग देने वाले ग्राम अंगारी सरपंच व 01 आरोपी को बालोद पुलिस ने किया गिरफ्तार

भानूप्रताप साहू

बालोद (समय दर्शन)। बुढ़ापारा वार्ड क्रमांक 20 पाररास निवासी देवेन्द्र साहू अपने घर में बाउंड्री वाल में अपने कार क्रमांक सीजी 24 डब्लू 7166 को रखा हुआ था जिसे अज्ञात आरोपियों द्वारा करीबन 09:00 बजे आग लगाकर जला देने पर प्रार्थी देवेन्द्र साहू के रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 527/2025 धारा 326(जी),3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश पटेल के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद मोनिका ठाकुर एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बालोद श्री देवांष सिंह राठौर, के पर्यवेक्षण में निरीक्षक षिषुपाल सिन्हा के नेतृत्व में थाना बालोद एवं सायबर सेल बालोद स्टाफके द्वारा पूर्व में 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है गिरफ्तार आरोपियों से पुछताछ पर ग्राम अंगारी सरपंच ममता डडसेना एवं ममता डडसेना के पति अष्वनी डडसेना के सहयोगी श्यामु यादव उर्फ रिंकू द्वारा देवेन्द्र साहू के कार में आग लगाने के लिए रूपये देना बताये जाने पर ममता डडसेना एवं श्यामू यादव उर्फ रिंकू को कड़ाई से पुछताछ किया जिन्होने पूर्व से जेल में निरूध्द अष्वनी डडसेना के कहने पर प्रकरण के प्रार्थी देवेन्द्र साहू के कार में आग लगाने के लिए दल्लीराजहरा के आरोपियों को सुपारी दिया था व अवष्वी डडसेना के कहे अनुसार ममता डडसेना एवं श्यामू यादव उर्फ रिंकू ने आरोपियों को देवेन्द्र साहू का पता बताकर उन्हे खर्च के लिए रूपये उपलब्ध व सुविधा उपलब्ध कराये जाने से ममता डडसेना एवं श्यामू यादव उर्फरिंकू को विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 07.12.2025 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

जिले में राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा सम्पन्न

15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 8335 शिक्षार्थियों ने भाग लिया

महासमुंद (समय दर्शन)। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 07 दिसंबर को जिले में राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 8335 शिक्षार्थियों ने भाग लिया, जिसमें 6713 महिलाएँ और 1622 पुरुष शामिल थे। जिले में सुचारू संचालन हेतु कुल 502 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे, जिनमें विकासखंड महासमुंद में 134, बागबाहरा में 128, पिथौरा में 55, बसना में 41 और सरायपाली में 144 केंद्र शामिल रहे।

शिक्षार्थियों को अपनी सुविधा अनुसार सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निर्धारित समय में परीक्षा देने की सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा प्रश्न पत्र हल करने हेतु तीन घंटे का समय निर्धारित था। परीक्षा आयोजन की मॉनिटरिंग राज्य एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा की गई। लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के सहायक संचालक आलोक

चांडक, जिला परियोजना अधिकारी कमल नारायण चन्द्राकर, जिला नोडल अधिकारी श्रीमती सम्पा बोस, श्रीमती तारिका सोरी तथा विकासखंड नोडल अधिकारी ईश्वर चन्द्राकर ने महासमुंद विकासखंड के विभिन्न परीक्षा केंद्रों परसट्ठी, बम्हनी, साराडीह एवं लभराखुर्द का निरीक्षण किया। इसी क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण महासमुंद श्री विजय कुमार लहरे ने विकासखंड बागबाहरा के परीक्षा केंद्र डोंगरीपाली का निरीक्षण किया। जिला मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा) रेखराज शर्मा ने पिथौरा विकासखंड के परीक्षा केंद्र ठाकुरदिया खुर्द का निरीक्षण किया। जिला एवं विकासखंड स्तर पर गठित मानिटरिंग दलों मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नोडल अधिकारी, बीआरसीसी एवं संकुल समन्वयकों ने पांचों विकासखंडों में परीक्षा संचालन की व्यापक निगरानी की।

विकासखंड साक्षरता मिशन प्राधिकरण महासमुंद के अध्यक्ष बी.एस. मंडावी एवं जनपद पंचायत महासमुंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने लोहारडीह और घोंगीबहरा केंद्र का निरीक्षण किया। सदस्य सियाराम कर्माकर (श्रम निरीक्षक) ने अमलोर केंद्र का निरीक्षण किया। बागबाहरा विकासखंड के शिक्षा अधिकारी श्री के.के. वर्मा एवं सहायक शिक्षा अधिकारी रामता मन्नाडे द्वारा अंबेडकर नगर केंद्र का निरीक्षण किया गया। सरायपाली के सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवनारायण दीवान ने उल्लास परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा व्यवस्था में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ, मितानिन, रसोइये और स्वीपरों ने शिक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक लाने-ले जाने में सहयोग प्रदान किया। राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान के दौरान जोगीपाली परीक्षा केंद्र में विशेष रूप से श्रीमती बूंद कुँवर पटेल (सास) और श्रीमती रूखमणी पटेल (बहू) ने एक साथ परीक्षा में शामिल होकर साक्षरता अभियान को प्रेरणादायी संदेश दिया।

मजदूर संगठन, इकाईयों में बनेगी नई कार्यकारिणी

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन कोरबा, कुसमुंडा क्षेत्र में नई कार्यकारिणी बनाने का कार्य शुरु हो चुका है। कुसमुंडा जीएम शाखा में मनीराम व सतीश राजपूत को जिम्मेदारी दी गई है। इसके बाद अब कुसमुंडा प्रोजेक्ट में नई कार्यकारिणी बनाई जाएगी। यहां पर राहुल वर्मा, मोरध्वज भार्गव के पास दायित्व है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

क्रमांक/ 614/रा.वि.बा./2025 — दुर्ग, दिनांक 04.12.2025

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति वर्ष- 2025- 26

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम, दुर्ग अधिनियम 1956 की धारा 167 के अंतर्गत निम्न लिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दुकान स्वामित्व परिवर्तन आवेदन किया गया है। संबंधित हित रखने वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन में 01 माह के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र.	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण कर्ता का नाम	मोहल्ला	परिसर का नाम एवं दुकान क्रमांक	नामांतरण का आधार
1.	श्रीमती यशोदा मंडावी ध.प. इंदर सिंह मंडावी निवासी- गिरधारी नगर दुर्ग	श्रीमती चन्दर बाई ध.प. स्व. गजाधर नेताम निवासी- गिरधारी नगर दुर्ग	गिरधारी नगर दुर्ग	इंदिरा मार्केट टीन शेड स्थित दुकान क्रमांक - 8/5 दुर्ग	आपसी सहमति

बाजार अधिकारी
नगर पालिक निगम, दुर्ग

अंतरराष्ट्रीय ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर प्रोफेसर ईवी गिरीश (मुम्बई) का ब्रह्माकुमारी बघेरा आनंद सरोवर मे 21 से

आयोजित शिविर में प्रवेश नि :शुल्क , रजिस्ट्रेशन आवश्यक

दुर्ग (समय दर्शन)। भागती दौड़ती जिंदगी में हर पल खुशियों भरा, तनाव मुक्त कैसे हो,आंतरिक सशक्तिकरण के द्वारा चुनौतियों का सामना कैसे करें । इन सभी विषयों पर अपने अनूठे वक्तव्य से प्रशिक्षित करने अंतरराष्ट्रीय ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर प्रोफ़ेसर ई.वी. गिरीश(मुम्बई) का प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर दुर्ग (छत्तीसगढ़) में आगमन हो रहा है इस वर्ष के अंतिम माह में रविवार 21 दिसम्बर से 25 दिसंबर तक सुबह शाम प्रतिदिन दो सत्रों में सभी को संकल्प संबंध और कर्म में मधुरता लाने की कला सिखाने वाह जिंदगी वाह शिविर द्वारा जीवन को वाह वाह बनाने आ रहे हैं ताकि आने नया वर्ष 2027 खुशियों और उमंग से भरा,तनाव मुक्त हो । राजयोग ध्यान विधियों का 30 वर्षों का अभ्यास, ईश्वर प्रदत बुद्धिमत्ता तथा आध्यात्मिकता से प्राप्त अंतर्दृष्टि, तीनों के अनूठे समन्वय से अनेक आत्माओं को व्यक्तिगत एवं जीवन में सामंजस्य बनाकर बेहतर जीवन शैली अपनाने की कला सिखाने आपको महारत हासिल है ।

आपने देश के नामीग्रामी संस्थाओं जैसे इसरो,नाबार्ड,भारतीय सेना-आसाम राइफ्ल्स,रिलायंस इंडस्ट्रीज,टाटा इंस्टीट्युट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, विभिन्न यूनिवर्सिटीज़, आई.आई.एम.जैसे अनेक संस्थाओं में अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान दिये हैं । प्रात: 8:00 से 9:00 एवं संध्या 7:00 से 8:00 दो सत्रों में आयोजित शिविर में प्रवेश पूर्णत: नि:शुल्क है किन्तु रजिस्ट्रेशन आवश्यक है। सुबह-शाम दोनों में से किसी भी एक सत्र में इस शिविर में इसका लाभ लिया जा सकता है । शहर में कार्ड वितरित किया जा रहा है व मुख्य स्थलों पर होर्डिंग्स लगायी गयी है । जिसमें त्त्क्र कोड दिया हुआ है जिसके द्वारा रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है ।

टोकन का टेंशन : कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा एक- दो दिन में समस्या दूर नही हुआ तो किसानों के साथ करेंगे चक्काजाम

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई है, धान खरीदी प्रक्रिया को करीब 25 दिन होने को हैं, लेकिन दुर्ग जिले में किसान अब भी टोकन के टेंशन से परेशान हैं।

सोमवार सुबह जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के फुंद्धा सोसायटी पहुँचने के खबर लगते ही किसान सैंकड़ो की संख्या में पहुँचकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर से धान टोकन को लेकर अपनी समस्याएं बताने लगे।

किसानों का कहना है कि सबसे बड़ी परेशानी टोकन की है, सुबह से ही केंद्रों में लंबी कतारों में खड़े हो जाते हैं, मगर न तो ऑनलाइन और न ही ऑफ्लाइन टोकन मिल पा रहा है, कई किसान बताते हैं कि वे पखवाड़े भर से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन सिस्टम में टोकन स्लॉट खुल ही नहीं रहा है। उपस्थित किसानों ने सोसायटी द्वारा जारी की जाने वाली 30 प्रतिशत धान का टोकन व्यक्ति विशेष को चिन्हांकित कर दिए जाने का भी आरोप लगाया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने तत्काल मौके पर ही कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह से फोन पर चर्चा कर टोकन समस्या से अवगत कराया तथा टोकन लिमिट तत्काल बढ़ाने मांग किया। श्री ठाकुर ने अब तक धान उठाव के संबंध में शासन की निष्क्रियता पर भी चर्चा किया। कलेक्टर दुर्ग ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर को आश्वस्त किया कि धान खरीदी में टोकन की लिमिट जल्द बढ़ाने आवश्यक कार्यवाही की जा रही है तथा धान उठाव के संबंध में शासन को पत्राचार भी कर रहे है।

पूरे मामले की जानकारी काँग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने फ़ोन के माध्यम से एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव को भी दिया और कहा कि टोकन का समस्या एक या दो दिन में ठीक नही हुआ, लिमिट नही बढ़ाया गया तो कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ चक्काजाम करेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रसाशन की होगी। श्री ठाकुर ने राज्य की भाजपा सरकार के नियत में खोंट बताते हुवे धान नही खरीदने का षड्यंत्र बताया।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, जनपद सदस्य आनंद बघेल, दिना वर्मा, धनी वर्मा, डुमन वर्मा, विजय चिलक, सुंदर सैन, चेतन बंजारे, राजेश वर्मा, गोपाल ,गोकुल देशलहरा, हरीश ठाकुर, लोचन यादव, पालेश्वर ठाकुर, भोलेश्वर वर्मा, गिरधर साहू, हुलेश्वर पटेल, कैलाश साहू, ईश्वर चंद्राकर, दीपेश बंजारे, मिथलेश शर्मा, राजू शर्मा, सुरेंद्र वर्मा, जितेंद्र वर्मा, मनोज वर्मा, नारायण वर्मा, सुरेश चेलक, निखिल दास, नागेंद्र वर्मा, श्यामा मनहर, रेवा वर्मा, रीतकरण वर्मा, बोनू निर्माण, तुला राम निर्मल,भगवती साहू, मनोहर वर्मा सहित सैंकड़ो की संख्या में किसान मौजूद थे ।

संक्षिप्त-खबर

मनरेगा से बना तालाब, बना आत्मनिर्भरता की मिसाल, ग्रामीण किसान की बदल गई किस्मत, आय में हुई कई गुना वृद्धि

दुर्ग (समय दर्शन)। महात्मा गांधी नरेगा योजना ने एक बार फिर ग्रामीणों के जीवन में बदलाव लाया। ग्राम पंचायत महमरा में मनरेगा के तहत निर्मित निजी तालाब (डबरी) ने किसान मूलचंद निषाद और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार लाया है। लगभग 6 किमी दूर स्थित इस गांव में रहने वाला 4 सदस्यीय परिवार पहले केवल द्विफसलीय खेती पर निर्भर था, जिससे आय सीमित थी और जीवनयापन चुनौतीपूर्ण बना रहता था। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। मनरेगा से बने इस तालाब ने मूलचंद निषाद के जीवन में नई रोशनी लेकर आयी। तालाब को उन्होंने दो हिस्सों में विकसित किया। पहले हिस्से में मछली पालन और दूसरे हिस्से में ढेस कांदा उत्पादन। इतना ही नहीं तालाब की मेड़ पर उन्होंने मौसमी सब्जियों की खेती भी शुरू की, जिससे नियमित आय का स्त्रोत बन गया है।

सब्जी उत्पादन से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार से 12 हजार की आय हो रही है। मछली पालन ने उनकी वार्षिक आय में और अधिक इजाफा करते हुए हर वर्ष लगभग ढेड लाख तक की आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, परिवार द्वारा किए जा रहे मुर्गी पालन से भी अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। एक किसान के लिए यह आय उनके परिवार को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान कर रही है। बारिश का पानी सीधे तालाब में संग्रहित होने से उनके खेतों को भरपूर सिंचाई मिलने लगी। अब वे टमाटर, मिर्च, धनिया और अन्य सब्जियों की अतिरिक्त फसल लेकर बाजार में बेच पा रहे हैं। इस निर्माण कार्य से मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवारों को भी अच्छा रोजगार मिला। आज यह डबरी न सिर्फजल संरक्षण का साधन है, बल्कि ग्रामीण परिवार की आजीविका का माध्यम भी है।

ग्रीष्म ऋतु से पहले कलेक्टर की अपील जल संरक्षण को दें प्राथमिकता

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी नागरिकों एवं कृषक भाइयों-बहनों से पेयजल संरक्षण तथा जल के समुचित उपयोग के लिए अपील की है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में भू-जल स्तर स्वाभाविक रूप से नीचे चला जाता है,जिसके कारण पेयजल उपलब्धता पर दबाव बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह जल का समुचित उपयोग करें और अनावश्यक जल की बर्बादी से बचे ।कलेक्टर श्री उइके ने कृषकों से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि जिले में इस वर्ष ग्रीष्मकालीन धान की फसल के लिए जलाशयों से सिंचाई हेतु पानी की आपूर्ति उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। इसलिए किसान अत्यधिक जल उपयोग वाली धान की फसल लेने से परहेज़ करें।

उन्होंने कहा कि धान की खेती में अत्यधिक मात्रा में पानी लगता है,जिसके कारण गर्मी के समय जलसंकट और अधिक गंभीर रूप से बढ़ सकता है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि इस वर्ष धान की जगह कम जल उपयोग वाली फसलें जैसे तिल, मूंग,उड़द,मसूर,अरहर,कोदो-कुटकी,मक्का आदि वैकल्पिक फसलें अपनाएँ। ये फसलें न केवल जल संरक्षण में सहायक होंगी बल्कि किसानों को बेहतर नगदी आय का अवसर भी प्रदान करेंगी ।उन्होंने कहा कि शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा नगदी, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के प्रचार-प्रसार, गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्धता और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किसान इन वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ते हैं, तो न केवल जल व्यय कम होगा,बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी संरक्षित रहेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी ।उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक प्रयास तभी सफल होंगे जब नागरिक स्वयं जल संरक्षण की आदत को अपनाएँ।

विराट वीर मेला राजाराव पठार (करेंझर) के मद्देनजर तैयार किया गया रूट डायवर्सन प्लान

मालवाहक वाहनों के लिए 10 तक होगा रोड डायवर्सन

बालोद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद श्रीमति मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में, देवांश सिंह राठौर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जिला बालोद एवं यातायात प्रभारी बालोद निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में जिले में विराट वीर मेला राजाराव पठार (करेंझर) में दिनांक 08 से 10 दिसंबर तक आयोजन में भीड़-भाड़ को देखते हुए बड़ी मालवाहक वाहनों के लिए परिवर्तित मार्ग (रोड डायवर्सन चार्ट) तैयार किया गया है।

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनांक 08, 09, एवं 10 दिसम्बर 2025 को शहीद वीर नारायण सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर राजाराव पठार करेंझर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 धमतरी से जगदलपुर मार्ग चारामा एवं धमतरी के मध्य जिला बालोद अंतर्गत विराट वीर मेला राजाराव पठार (करेंझर) में आयोजन किया जाना है। जिसमें देव मेला आदिवासी हॉट, आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम, तथा शहीद वीरनाराण सिंह की श्रद्धांजली सभा का कार्यक्रम किया जाता है। जिसमें बालोद, धमतरी, कांकेर, राजनांदगांव, मानपुर मोहला क्षेत्र के अदिवासी समाज के नागरिक, गणमान्य नागरिक, आम जनों का बड़ी संख्या में विराट वीर मेंला राजाराव पठार में सम्मिलित होने के लिए आते है।

इस मार्ग में यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए धमतरी से चारामा के मध्य तक बड़ी मालवाहक वाहनों के लिए प्रात: 08.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक प्रवेश निषेध किया गया है। इसके स्थान पर परिवर्तित मार्ग बनाया गया है जो इस प्रकार है- रायपुर/धमतरी तरफसे आने वाले बड़ी मालवाहक वाहन के लिए धमतरी सिहावा चौक से डायवर्ट होकर करेगाव-कोलियारी-नगरी-सिहावा-कांकेर होते हुए कोंडागांव जगदलपुर से अपने गतव्य स्थान की ओर जाएंगे तथा जगदलपुर कोंडागांव की तरफ से आने वाले बड़ी मालवाहक वाहन केशकाल विश्रामपुरी चौक से-विश्रामपुरी-सिहावा-नगरी-धमतरी होते हुए रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे अथवा राजनांदगांव दुर्ग भिलाई जाने के लिए मांकड़ी चौक से भानुप्रतापुर-डौण्डी-दल्लीराजहरा-राजनांदगांव-होते हुए दुर्ग भिलाई रायपुर जाएंगे।

बालोद पुलिस वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों से अपील करता है की वाहन चालक परिवर्तित मार्ग का उपयोंग करे एवं यातायात व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु बालोद पुलिस का सहयोग करें। अधिक जानकारी के लिए पुलिस कंट्रोल रूम बालोद 94791-91160, यातायात कार्यालय बालोद 94791-91274 पर संपर्क करें।

कलेक्टर उइके का धान खरीदी केंद्र परसुली का औचक निरीक्षण किया

गरियाबंद (समय दर्शन)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए शासन के निर्देश पर 15 नवम्बर से जिले में धान खरीदी प्रारंभ है ।कलेक्टर बीएस उइके जिले में चल रहे धान उपार्जन केंद्रों का लगातार आकस्मिक निरीक्षण कर रहे है ।कलेक्टर श्री उइके ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित परसुली के धान उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। जिसमें कुछ धान भरे बारदानों में 36.00 किलोग्राम वजन एवं अधिक सूखे हुए धान खरीदने की अनियमितता पाया गया ।जिस पर कलेक्टर श्री उइके ने धान खरीदी केन्द्र प्रभारी मुकेश कुमार यादव को पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर चुक एवं घोर लापरवाही के कारण तत्काल कार्य से मुक्त करने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

धान खरीदी केन्द्रों में किसानो की समस्या पर जमकर हंगामा!

रानीतराई धान खरीदी केंद्र में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष धेराव में पहुचे

रानीतराई (समय दर्शन)। ब्लाक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर के तत्वावधान में धान खरीदी केंद्र में भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण किसानों को धान बेचने में भारी दिक्कत हो रही है। जिला कांग्रेस के निर्देश में सोमवार को डिंडाभाटा धान खरीदी केंद्र में किसानों व कांग्रेश के कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी व हंगामे हुई ।जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने समिति प्रबन्धक वर्मा व नायब तहसीलदार को दो दिन में धान खरीदी व्यवस्था में सुधार नहीं किया तो पाटन के सभी समितियो मे चक्काजाम व उग्र आंदोलन करेंगे।

शांतिपूर्वक किसानों ने जिला कलेक्टर एवं कृषि मंत्री के नाम पर ज्ञापन पाटन नायब तहसीलदार भूपेंद्र सिह को सौंपा गया ।वर्ष 2025-26 में धान खरीदी व्यवस्था में गभीर अनियमितताए एवं अव्यवस्थाएँ पाटन ब्लॉक के अधीनस्थ धान खरीदी केन्द्रों में विभिन्न समस्या सामने आई है ।जिसमे ऑनलाइन व ऑफ्लाइन टोकन वितरण में व्यापक समस्या,किसानों को समय पर टोकन प्राप्त न होने से आर्थिक नुकसान और भीडभाड की स्थिति,धान खरीदी लिमिट में सरलीकरण,धान विक्रय हेतु पंजीयन में परेशानी का निराकरण,केन्द्रों में प्रतिदिन की खरीदी लिमिट को बढ़ाने,तत्काल परिवहन व्यवस्था चालू करने की मांग रखी गई। विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने अन्नदाता किसानो की परेशानी से दूर सरकार चिरनिद्रा में सोई हुई है ।आज छत्तीसगढ़ से सभी किसान हताश,निराश हो गए हैं। राकेश ठाकुर जिलाध्यक्ष, राजेश ठाकुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,अशोक साहू विधायक प्रतिनिधि, महेंद्र वर्मा,उमाकांत चन्द्रकर , विष्णु चन्द्रकर,लुल्ली चक्रधारी,सोहन जोशी,भूपेंद्र बघेल,कपूर साहू,देव कुमार निषाद,रश्मि भेद प्रकाश वर्मा जनपद सदस्य,भविष्य कुमार जैन,यादव राम सेन,भोज रघुवंशी,सत्यनारायण टिकरिहा सरपंच, आनंद बघेल जनपद सदस्य, जानकी चोपड़िया सरपंच , द्रौपदी साहू, कमलेश ठाकुर,निखिल साहू, दुकालू राम निषाद,पालेश्वर ठाकुर,ललित ग्रहण, हरीश ठाकुर,हेमू भानूराम वर्मा डोमन चंद्राकर डोमन साहू नारद साहू राम सिंह आगरे रामा साहू विष्णु वर्मा सहित किसान उपस्थित थे।

स्वर्गवासी शिक्षक के साथ बस्तर में पदस्थ शिक्षिका को प्रशिक्षण में उपस्थित होने का बीआरसी का फरमान

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के छुरा विकास खण्ड में ऐसे अनुभवहीन कर्मचारी को विभाग प्रमुख बनाया गया है कि अधिनस्थ कर्मचारी के साथ साथ स्वर्गवासी कर्मचारी,तबादला में अन्यत्र पदस्थ कर्मचारी के परिजन एवं मेडिकल अवकाश में रहने वाले कर्मचारी के साथ साथ परिवार को नोटिस जारी कर मुफ्त में मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी रही है। जनपद पंचायत प्रभारी सीईओ सतीष चन्द्रवंशी हो या खंण्ड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा अधिकारी छुरा।

छुरा खंण्ड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा विभाग छुरा ने आंख बंद कर विकास खण्ड स्तर पर कक्षा छठवीं के नवीन पाठ्यक्रमों पर शिक्षकों का प्रशिक्षण के लिए छुरा विकास खण्ड के नब्बे शिक्षकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण में उपस्थित रहने का फ़रमान जारी किया गया है,प्रशिक्षण ब्लाक मुख्यालय में आयोजित नहीं कर बीआरसी मार्कण्डेय अपने गृह ग्राम लोहझर के हाईस्कूल में रखा है,ब्लाक मुख्यालय में सभी प्रकार से सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद लोहझर गांव में आयोजित करना समझ से परे है,बीआरसी के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है ।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण में सरकंडा स्कूल में पदस्थ शिक्षक स्वर्गीय नीलकंठ साहू जिसका निधन 24 सितम्बर 2024 को ? हो गया था,स्वर्गीय नीलकंठ साहू को प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आदेश जारी किया गया है ।इसी तरह श्रीमती अनिता रवि शिक्षिका हलबाकोचरा विकास खण्ड जगदलपुर बस्तर को प्रशिक्षण में उपस्थित रहने,एवं एम एल तारक पूर्व माध्यमिक शाला पाण्डुका जो मेडिकल अवकाश पर जिसे पांच दिवसीय प्रशिक्षण में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने का आदेश दिया गया।

जल संरक्षण अभियान के तहत गांव-गांव में बन रहे सोक पिट

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में मोर गांव मोर पानी जल संरक्षण अभियान के तहत विभिन्न गांवों में स्व-प्रेरणा से बड़ी संख्या में सोक पिट निर्माण का कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत कातरों में एकेच गोठ एकेच बानी, बचाना है बूंद-बूंद पानी थीम पर जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्री ललित चंद्राकर, जिला पंचायत सीईओ श्री बजरंग दुबे और जनपद पंचायत दुर्ग के सीईओ श्री रूपेश पांडे शामिल हुए। अभियान के तहत प्रधानमंत्री आवासों, स्कूल परिसरों और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं ने अपने घरों व ग्रामीणों ने स्वयं पहल करते हुए सोक पिट बनाए। स्व-सहायता समूहों ने जल संरक्षण अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने घरों व परिसरों में सोक पिट निर्माण किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही भी आगे आए।

जिले में जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के 4312 आवासों में सोक पिट निर्माण जारी है, जिसमें जनपद धमधा में 2115, जनपद दुर्ग में 942 और जनपद पाटन में 1255 सोक पिट बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा 1105 ग्रामीण विद्यालय परिसरों में सोक पिट तैयार किए जा चुके हैं।

क्षेत्र के विकास के प्रति कटिबद्धता का प्रमाण

विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल के सतत प्रयासों से सांकरा से परसवानी रोड के लिए मिली28 करोड़ की मंजूरी

पिथौरा(समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल के अथक प्रयासों से क्षेत्र को एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य सरकार ने सांकरा से परसवानी तक 15.8 किलोमीटर लंबे महत्वपूर्ण सड़क मार्ग के निर्माण और उन्नयन के लिए 28 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के साथ, लंबे समय से जर्जर स्थिति में रहे इस मार्ग के पुनर्निर्माण का रास्ता साफ हो गया है, जिससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

राज्य सरकार द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त होने पर बसना विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,उपमुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओ पी चौधरी का हृदय से आभार व्यक्त किया। विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने कहा कि सांकरा से परसवानी मार्ग की स्वीकृति बसना विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की वर्षों पुरानी और अत्यंत महत्वपूर्ण मांग थी। यह केवल एक सड़क नहीं है, बल्कि इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास की जीवनरेखा है। उन्होंने जोर दिया कि बेहतर सड़कों से न केवल आवागमन आसान होता है, बल्कि किसानों को अपनी उपज मंडियों तक ले जाने में सुविधा मिलती है और शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित होती है। विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने आगे कहा कि मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ,उपमुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओ पी चौधरी का आभारी हूँ, जिन्होंने बसना क्षेत्र के विकास के प्रति मेरी अपील को गंभीरता से लिया और प्राथमिकता के आधार पर इस 28 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृत किया। यह स्वीकृति राज्य सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना और क्षेत्र के त्वरित विकास के प्रति उनकी कटिबद्धता को दर्शाती है। विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने आगे कहा कि यह 15.8 किमी. लंबा मार्ग सांकरा को परसवानी से जोड़ते हुए आसपास के कई गांवों के लिए मुख्य कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इस मार्ग के उन्नयन से क्षेत्र में व्यापार, कृषि गतिविधियों और सामान्य जनजीवन में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि इस मार्ग का निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा हो।

निधन

पाटन। दरबार मोखली निवासी परदेशी राम वर्मा का निधन हो गया। वे पाटन सीएमओ हेमंत वर्मा के पिता उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 9 दिसंबर को सुबह 11 बजे दरबार मोखली में किया जायेगा। वे नगर पंचायत पाटन के सीएमओ हेमंत वर्मा के पिता थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-25